PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 235 ● भिलाई, शुक्रवार 27 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

नहीं बदले हैं गैस रिफिल बुकिंग के नियम, घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समय-सीमा (रिफिल टाइमलाइन) में बदलाव को लेकर चल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट पर सरकार ने बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा है कि एलपीजी रिफिल बुकिंग के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पुरानी व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय ने बताया कि कुछ समाचार रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग के लिए 45 दिन, नॉन-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समय-सीमा तय की गई है। सरकार ने इन दावों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मौजूदा नियमों के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग की समय-सीमा शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन ही है, और यह सभी प्रकार के कनेक्शन पर समान रूप से लागू होती है।

एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, 29 मार्च को तेज बारिश और तूफान की संभावना

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताज़ा पूर्वानुमान के अनुसार 29 मार्च को क्षेत्र में तेज़ बारिश और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। पिछले कुछ दिनों से सुहावने मौसम, हल्की ठंडी हवाओं और बीच-बीच में बादल छाए रहने से लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है, और अब आने वाले दिनों में मौसम और अधिक बदलने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 25 मार्च को अधिकतम तापमान करीब 32-33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17-19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 26 और 27 मार्च को तापमान क्रमशः 34/18 डिग्री और 32/17 डिग्री रहने का अनुमान है। इन दिनों थंडरस्टॉर्म विद रेन यानी गरज के साथ बारिश की स्थिति बन रही है। वहीं 28 मार्च को अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री रहने के साथ मौसम साफ रहने की संभावना है।

रायबरेली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 5 शातिर अपराधियों को किया गिरफ्तार

रायबरेली। रायबरेली में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ में पुलिस ने पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, नसीराबाद और बछरावां इलाकों में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच झड़प हुई।

बजरी लदे ट्रक से टकराते ही आग का गोला बनी बस

लगी भीषण आग...14 यात्रियों की जिंदा जलकर हुई मौत...

मार्कपुरम/ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में गुरुवार सुबह भीषण हादसा हुआ. इस हादसे में जलकर 14 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि 15 अन्य घायल हो गए. एक ट्रक से टकराने के बाद बस में आग लग गई. हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है. कई लोगों को घायल होने की खबर है. घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. यह हादसा रायवरम के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ, जब बस जगतियाल से कलिगिरी जा रही थी. स्लैब खदानों के पास बजरी से लदे एक ट्रक से इस निजी बस की टक्कर हो गई. शुरुआती जानकारी के मुताबिक ट्रक बेलगाम चलाया जा रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई. हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए. यह हादसा रायवरम के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ. हादसे के समय बस में 30 यात्री सवार थे. माना जा रहा है कि बस के पिछले हिस्से में बैठे यात्रियों की मौत इसलिए हो गई, क्योंकि वे बाहर नहीं निकल पाए. मरने वाले संभवत: कनिगिरी इलाके के रहने वाले थे. हादसे में दोनों वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गए. पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया. घायलों को मरकापुरम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. मरने वालों की

संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं. मरकापुरम के विधायक कंदुला नारायण रेड्डी ने घटनास्थल का जायजा लिया. पीटीआई के अनुसार मार्कपुरम के पुलिस उपाधीक्षक नागराजू ने बताया, 'अब तक करीब 18 घायल लोगों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है. घटना की पूरी जानकारी जुटाने के प्रयास जारी हैं.' उन्होंने बताया कि बचाव दल पीड़ितों की पहचान करने और उनके परिजनों की जानकारी जुटाने का काम कर रहे हैं. सत्यापन पूरा होने के बाद परिजनों को सूचित किया जाएगा. नागराजू ने कहा कि माना जा रहा है कि कुछ शव अभी भी बस के अंदर फंसे हुए हैं. हादसे के बाद बस में आग लग जाने के कारण शवों को बाहर निकालने का काम मुश्किल हो गया. इस बीच, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा दुख और हैरानी जताते हुए जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया. मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं. मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और राज्य ने 5 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुख जताया. उन्होंने इस घटना को बहुत दुखद बताया. प्लेटफॉर्म एक्स पर मोदी ने दुखी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई.

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने दिए जांच के आदेश....

चंद्रबाबू नायडू ने इस दर्दनाक सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घटना की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से बातचीत की और पूरे हालात की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने घायलों के इलाज को लेकर विस्तार से जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी प्रभावित लोगों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उन्होंने दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कराने और जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा। सीएम ने कहा कि इस तरह की घटनाएं बेहद दुखद होती हैं और सरकार मृतकों के परिजनों तथा घायलों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि हादसे के कारणों की गंभीरता से जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

लंबी कतारें देख सीएम का सख्त एलान

कुछ दिनों के लिए पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे...

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लोगों से पेट्रोल पंपों के बाहर डेरा डालना बंद करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर वे अगले कुछ दिनों के लिए सभी पेट्रोल पंप बंद कर देंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार की बात कोई नहीं सुनता। इसके बजाय, हर कोई अफवाहों पर विश्वास करता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया था। बैठक में पाया गया कि डीजल, पेट्रोल या एलपीजी सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने जोर दिया कि कुछ दिनों बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। कहीं भी उपयोग कम करने का कोई निर्देश नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उन लोगों से अपील की है जो सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर कतार में लग रहे हैं। उन्होंने उनसे ऐसा न करने का अनुरोध किया।

नक्सलियों की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर अपने हथियार लेकर आत्मसमर्पण कर दिए

चार महिला सहित छह नक्सलियों ने कांकेर पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण,कई और कर सकते सरेंडर

जगदलपुर। कांकेर व राजनांदगांव की सीमा में दो दिनों से हो रही मुठभेड़ के बाद पांच कैडरों ने नक्सलियों की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर अपने हथियार लेकर आत्मसमर्पण कर दिए। नक्सलियों ने अपने साथ हथियार भी जमा करवाए हैं। बता दें कि कांकेर जिला अंतर्गत विगत दो दिनों में राजनांदगांव कांकेर बॉर्डर डिवीजन के पांच नक्सली कैडर एवं मिलिट्री कंपनी-5 के एक कैडर ने नक्सलियों का साथ छोड़ते हुए मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया था, जिसके बाद एसीएम मंगेश पोडियमी, एसीएम गणेश वीके, एसीएम मंगती जुर्री, एसीएम हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता, एसीएम राजे, पीपीसीएम स्वरूपा उसेंडी,

पीएलजीए कंपनी-05 ने तीन हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है, जिसमें एक एसएलआर तथा दो 303 राइफल शामिल हैं। नक्सलियों ने बताया कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत और भी नक्सली हैं जो मुख्यधारा में आना चाहते हैं, वहीं इलाके में सक्रिय अन्य नक्सली कैडरों से चर्चा कर उन्हें भी मुख्यधारा में शामिल कराने के प्रयास जारी हैं। ये सभी छह नक्सली कैडर, जिन्होंने पुनर्वास का मार्ग चुना है, उनके सामाजिक मुख्यधारा में आने व हथियारों की सुपुर्दगी भी की गई। बस्तर रेंज आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने एक बार फिर शेष बचे कुछ नक्सली कैडरों से हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील दोहराई है, उन्होंने कहा कि जो कैडर शांतिपूर्ण एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आगे आएंगे, उन्हें पुनर्वास नीति के अंतर्गत सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी, सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पिछले 26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली कैडर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

चुनाव से पहले ममता के खिलाफ बड़ा दांव

अमित शाह 28 मार्च को पश्चिम बंगाल में जारी करेंगे चार्जशीट

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के 294 सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद से राज्य में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के चुनावी अभियान के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 28 मार्च को राज्य का दौरा करेंगे। अपनी इस विजिट के दौरान वह एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और उसमें ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ औपचारिक तौर पर चार्जशीट जारी करेंगे, जिसमें सत्तारूढ़ दल के खिलाफ बीजेपी के आरोपों की जानकारी होगी।

पश्चिम बंगाल बीजेपी के नजदीकी सूत्रों के मुताबिक, इस चार्जशीट में पिछले कई वर्षों में ममता सरकार दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार, शासन की नाकामयाबी और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं का विस्तार से डिटेल्स हो सकता है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने संकेत दिया है कि इस चार्जशीट में भर्ती में हुई अनियमितताओं और वित्तीय गड़बड़ियों पर फोकस होगा। चार्जशीट के अलावा, भारतीय जनता पार्टी टीएमसी की सरकार में हुए 15 साल के 'कुशासन और भ्रष्टाचार' को सामने लाने वाला एक श्वेत पत्र भी जारी करने वाली है। इस श्वेत पत्र में राज्य में शासन संबंधी कमियों से जुड़े पार्टी के दावों के सपोर्ट के लिए तमाम आंकड़े और केस स्टडी भी पेश किए जाने की संभावना है। भाजपा से यह भी उम्मीद है कि वह पश्चिम बंगाल में कथित 'माफिया शासन' जैसे मुद्दों पर अपने सियासी संदेश को और ज्यादा प्रभावी बनाने पर काम कर सकती है।

16 आरडीएक्स आईईडी लगाए हैं, दिल्ली विधानसभा को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा मैसेज भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली विधानसभा में 16 आरडीएक्स आईईडी लगाए हैं। धमकी के बाद दिल्ली पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया, ईमेल में दावा किया गया है कि दिल्ली विधानसभा में बम लगाए गए हैं और दोपहर 1:40 बजे धमाका करने की योजना है। मेल भेजने वाला खुद को कोयंबटूर का बताता है और कहता है कि वह और उसके साथी पहले एक राजनीतिक पार्टी (डीएमके) के समर्थक थे। लेकिन अब वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

मोदी आज करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक

पीएममोदी ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों

की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री बैठक में 'टीम इंडिया' की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है। इससे घरों में इस्तेमाल होने वाले इस जरूरी ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ईरान की ओर से अधिकांश देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किया गया है।

ईरान को गंभीर हो जाना चाहिए, इससे पहले देर हो जाए

ट्रंप ने दी समझौते की धमकी,कहा-पीछे जाने का मौका नहीं

वॉशिंगटन/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान को जल्द गंभीर होकर फैसला लेना होगा, वरना हालात ऐसे हो जाएंगे जहां से वापसी संभव नहीं होगी। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ा दिया है। इसी के साथ उन्होंने नाटो देशों पर भी निशाना साधा और सहयोग न करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे डील करने के लिए भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना चाहिए क्योंकि वो सैन्य रूप से खत्म हो चुके हैं और वापसी का कोई मौका उनके पास नहीं है, और फिर भी वे सबके सामने कहते हैं कि वे सिर्फहमारे प्रस्ताव को देख रहे हैं। उन्हें जल्द ही गंभीर हो जाना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, क्योंकि एक बार ऐसा हो गया, तो पीछे मुड़ना मुमकिन नहीं है, और यह अच्छा नहीं होगा! ईरान ने बातचीत की संभावना पर मिले-जुले संकेत दिए हैं, जब ऐसी खबरें आईं कि ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान के जरिए तेहरान को 15-सूत्रीय संघर्ष विराम योजना पेश की है। सार्वजनिक रूप से, ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि तेहरान ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सरकारी मीडिया को बताया कि उनकी सरकार ने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत नहीं की है और न ही उनकी

किसी बातचीत की योजना है। हालांकि उन्होंने माना कि यूएस ने दूसरे देशों के जरिए ईरान को संदेश भेजने की कोशिश की थी, उन्होंने कहा कि यह न तो बातचीत थी और न ही कोई नेगोशिएशन। धमकी, चेतावनी और विरोध के बीच पश्चिम एशिया ही नहीं पूरी दुनिया के लिए 27 मार्च का दिन काफी अहम है। 23 मार्च को ट्रंप ने ईरान के साथ वार्ता का दावा करते हुए कहा था कि बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक है, इसलिए वो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले के फैसले को 5 दिन के लिए टाल रहे हैं। इसकी मियाद शुक्रवार को समाप्त हो रही है। ट्रंप ने नाटो देशों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उन्होंने इस संकट के समय अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नाटो देश ईरान के खिलाफकार्रवाई में शामिल नहीं हुए और केवल तेल की कीमतों को लेकर शिकायत करते रहे। ट्रंप ने यहां तक कहा कि अमेरिका को नाटो की जरूरत नहीं है और सहयोगी देशों को इस समय को कभी नहीं भूलना चाहिए।ट्रंप ने कहा कि नाटो देश होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद नहीं कर रहे हैं, जिससे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने इसे एक आसान सैन्य कार्य बताया, लेकिन कहा कि सहयोगी देश जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं। उनके अनुसार यही कारण है कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

परमाणु ठिकानों पर हवाई हमले और ग्राउंड ऑपरेशन

इस योजना का सबसे घातक हिस्सा ईरान की परमाणु सुविधाओं, पावर प्लांट्स और मिसाइल उत्पादन केंद्रों पर भारी बमबारी करना है। ट्रंप प्रशासन ईरान के अंदर विशेष बलों के माध्यम से एक जमीनी अभियान चलाने पर भी विचार कर रहा है जिसका उद्देश्य ईरान द्वारा संवर्धित यूरेनियम को जब्त करना है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे बड़े पैमाने पर 'बूट्स ऑन द ग्राउंड' (जमीनी सेना) तैनात नहीं करना चाहते लेकिन उन्होंने यह भी दोहराया है कि ईरान को रोकने के लिए सभी सैन्य विकल्प खुले हैं। इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्जा या उसकी पूर्ण नाकाबंदी करना है। गौरतलब है कि ईरान का लगभग 90त तेल निर्यात इसी द्वीप से होता है। अमेरिका की योजना यहां मरीन कमांडोज और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों के जरिए सैन्य अभियान चलाकर इसे अपने नियंत्रण में लेने की है।

सरस मेला बना महिलाओं की तरक्की का मंचः दो दिनों में 1.85 लाख का कारोबार

कवर्धा। नगर के सरदार पटेल मैदान में 23 से 26 मार्च तक आयोजित संभागीय सरस मेला न सिर्फ आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, बल्कि महिला स्व-सहायता समूहों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत मंच भी साबित हो रहा है। महज दो दिनों में ही मेले में शामिल समूहों ने 1 लाख 85 हजार रुपए से अधिक का व्यवसाय कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मेले में महिलाओं द्वारा तैयार जैविक और घरेलू उत्पादों की खूब मांग देखी जा रही है। दाल, अचार, पापड़, मिलेट बिस्किट, हर्बल फिनायल, साबुन, दोना-पत्तल, अगरबत्ती, हैंडलूम बिरनमाला, चूड़ी-कंगन जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुएं किफायती दरों पर उपलब्ध होने के कारण लोगों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही हैं। स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचकर इन उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं, जिससे महिला समूहों की आय में सीधा इजाफा हो रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत कबीरधाम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि दुर्ग संभाग के सभी सात जिलों के महिला समूह इस मेले में अपने उत्पादों की प्रदर्शनी और विक्रय कर रहे हैं। फूड स्टॉल के साथ-साथ 28 अन्य स्टॉल लगाए गए हैं, जहां से दो दिनों में ही इतनी बड़ी आमदनी होना महिला उद्यमिता की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह मेला महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मेले की रौनक को सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने और भी जीवंत बना दिया है। महेश ठाकुर और उनकी टीम ने देशभक्ति व फिल्मी गीतों से समां बांधा, वहीं माधवेश केसरी सहित अन्य कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के बच्चों के नृत्य और स्थानीय कलाकारों के पारंपरिक छत्तीसगढ़ी गीतों ने मेले में सांस्कृतिक समृद्धि की झलक पेश की। सरस मेला न केवल खरीदारी और मनोरंजन का केंद्र बना है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के हुनर को पहचान दिलाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक पहल के रूप में उभर रहा है।

कक्षा पांचवी से शेख आहिल से 98.2 प्रतिशत के साथ पहला स्थान प्राप्त

दल्लीराजहरा । निर्मला इंग्लिश मीडियम सीनियर सेकेंडरी स्कूल दल्ली राजहरा के वार्षिक परीक्षा परिणाम 23 मार्च को घोषित कर दिए गए, इस दौरान सभी कक्षाओं के टॉपर बच्चों और उनके पालको को मंच पर बुला कर प्रिंसिपल सिस्टर एवं वाइज प्रिंसिपल द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में कक्षा पांचवी से शेख आहिल से 98.2 प्रतिशत के साथ कक्षा में पहला स्थान किया। ज्ञात हो कि शिक्षक माता पिता के पुत्र शेख आहिल शुरू से ही मेधावी छात्र रहे है। हर साल वो अपनी कक्षा में टॉप करते है। शेख आहिल ने बताया कि उन्हें पढ़ाई के साथ पेंटिंग करना, क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है।

शेख आहिल के कक्षा में टॉप करने पर सभी शिक्षक शिक्षिकाओं, परिवारजनों, मित्रों और शुभचिंतको ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किये है।

जिले में एमएसपी पर चना का शुभारंभ पहले ही दिन 45 क्विंटल की खरीदी

बेमेतरा। जिले में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर चना खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया गया। यह खरीदी जिले की सेवा सहकारी समितियों में प्रारंभ की गई, जिससे किसानों में उत्साह का माहौल देखा गया। अभियान के पहले दिन ही परपोड़ी एवं खण्डसरा स्थित सेवा सहकारी समितियों में कुल 3 किसानों से 45 क्विंटल चने की खरीदी की गई। किसानों ने शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ लेते हुए अपनी उपज का विक्रय किया और इस पहल की सराहना की। कृषि विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि वर्तमान में चना का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,875 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिससे किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सकेगा। इसके साथ ही जिले में अरहर (तुअर) की खरीदी भी सुचारू रूप से जारी है, जिसका न्यूनतम समर्थन मूल्य 8,000 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। कृषि विभाग, बेमेतरा ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक मात्रा में चना और अरहर का विक्रय निकटतम सहकारी समितियों के माध्यम से करें। विभाग का कहना है कि यह अभियान किसानों की आय बढ़ाने, फसल का उचित मूल्य सुनिश्चित करने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

निर्धन परिवारों के आर्थिक स्वावलंबन की राह में अभिनव पहल : दीपेश साहू

बेमेतरा। निर्धन और भूमिहीन कृषि मज़दूर परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मज़दूर कल्याण योजना एक महत्वपूर्ण और अभिनव पहल के रूप में सामने आ रही है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने योजना के हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित की। जिला मुख्यालय मे कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

जिले के 19,113 हितग्राहियों को 19 करोड़ 11 लाख 30 हजार रुपए अंतरित

जिला बेमेतरा के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिले के 19,113 चिन्हित हितग्राहियों के खातों में कुल 19 करोड़ 11 लाख 30 हजार रुपए की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई। कार्यक्रम में प्रतीक स्वरूप जिले के 5 हितग्राहियों को अंतरित राशि का प्रमाण पत्र भी भेंट किया गया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हितग्राहियों में उत्साह का वातावरण देखा गया।

आर्थिक स्वावलंबन लिए संचालित की जा रही योजना

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मज़दूर कल्याण योजना निर्धन परिवारों के आर्थिक स्वावलंबन और उनके जीवन में खुशहाली लाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राज्य और केंद्र सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों की चिंता करते हुए लगातार योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने की रही है और यह योजना उसी सोच का परिणाम है। योजना से मिलने वाली राशि से भूमिहीन कृषक और मज़दूर परिवार अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकेंगे।

मिलेंगे 10 हजार रुपए

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मज़दूर कल्याण योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को सरकार द्वारा प्रति वर्ष 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जाएगी। योजना के लागू होने से ऐसे परिवारों के जीवन स्तर में सुधार होगा और वे अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगे। साथ ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक सहायता मिलने से मजदूरों के शहरों की ओर पलायन पर भी रोक लगेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

नवागढ़, बेरला, साजा सहित सभी विकासखंडों में आयोजित हुए कार्यक्रम

अनुविभाग नवागढ़ अंतर्गत नवागढ़ तहसील में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मज़दूर कल्याण योजना के तहत हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसी प्रकार बेरला, साजा, बेमेतरा, नवागढ़ और जिले के अन्य विकासखंडों में भी कार्यक्रम आयोजित कर हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में हितग्राही, ग्रामीणजन और किसान भाई उपस्थित रहे।

भूमिहीन कृषि मज़दूर परिवारों को मिलेगा आर्थिक संबल : कलेक्टर

इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर और भूमिहीन परिवारों को संबल देने की दिशा में यह योजना एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे कृषि मज़दूरों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है जिनके पास अपनी खेती योग्य भूमि नहीं है और जो पूरी तरह दूसरों के खेतों में मजदूरी पर निर्भर रहते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि मजदूरों की भूमिका रीढ़ की हड्डी के समान होती है, लेकिन भूमिहीन होने के कारण वे अवसर असुरक्षित स्थिति में रहते हैं। ऐसे परिवारों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन में खुशहाली और तरक्की लाने की दिशा में यह योजना सार्थक साबित होगी।

जनप्रतिनिधि व अधिकारी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, एसएसपी रामकृष्ण साहू, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर, जनपद अध्यक्ष बेमेतरा हेमा दिवाकर, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, राजेंद्र शर्मा, राज्य किसान मोर्चा अध्यक्ष हर्षवर्धन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और किसान उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर डामरीकरण का कार्य जारी

दल्लीराजहरा । रेलवे स्टेशन रोड पर डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है जिसमें रोड का डामरीकरण अधूरा किया गया है। जिसका निरीक्षण करने पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू , वार्ड पार्षद टी. ज्योति व वार्ड 21 पार्षद व पी आई सी मेंबर भूपेंद्र श्रीवास रोड का कार्य अधूरा बनने पर अध्यक्ष द्वारा रेलवे सी पी एम रायपुर को फोन द्वारा जानकारी दिया गया व अधूरा डामरीकरण कार्य को पूर्ण करने के लिए सीपीएम अधिकारी को कहा गया।

खनिज शाखा की बड़ी उपलब्धिः लक्ष्य से दोगुना राजस्व, अवैध उत्खनन पर सख्त कार्रवाई

बेमेतरा। जिले में खनिज विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष शासन द्वारा जिले को 450.00 लाख रुपये राजस्व का लक्ष्य दिया गया था, जिसके मुकाबले अब तक 901.00 लाख रुपये से अधिक राजस्व प्राप्त किया गया है। यह निर्धारित लक्ष्य का लगभग 200 प्रतिशत है, जो विभाग की प्रभावी कार्यवाही और सतत निगरानी का परिणाम माना जा रहा है। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से फरवरी और मार्च 2026 के दौरान खनिज विभाग ने सख्त अभियान चलाकर कई मामलों में कार्रवाई की है। खान एवं खनिज विकास अधिनियम के तहत अवैध परिवहन के 31 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें कुल 7,90,100 रुपये की अर्थदंड राशि वसूल की गई। इसी तरह अवैध उत्खनन के 4 प्रकरणों में भी कार्रवाई करते हुए 8,05,500 रुपये का अर्थदंड वसूल किया गया है। विभाग द्वारा की गई इस सख्त कार्रवाई से अवैध खनन करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है और प्रशासन की सख्ती का स्पष्ट संदेश भी गया है। कलेक्टर कार्यालय की ओर से बताया गया है कि जिले में अवैध उत्खनन और अवैध परिवहन पर आगे भी इसी तरह लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

कांग्रेस ने बूथ, पंचायत वार्ड कमेटियों के गठन के लिए नियुक्त किए प्रभारी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी ने बूथ कमेटी निर्माण की प्रक्रिया तेज कर दी है । जिला कांग्रेस कमेटी ने बूथ को मजबूत बनाने और बूथ स्तर तक संगठनात्मक ढांचा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिले के सभी ब्लाकों मे बूथ, पंचायत तथा वार्ड कमेटी गठन प्रभारी की नियुक्ति कर दी है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने नियुक्ति आदेश जारी करते हुए कहा है कि जिले के अंतर्गत सभी बूथ, पंचायत एवं वार्ड कमेटी का गठन तत्काल प्रभाव से पूर्ण किया जाए, साथ ही सभी ब्लॉक अध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि जल्द ही मंडल कमेटियों के प्रभारी नियुक्त कर बूथ निर्माण की प्रक्रिया मे सहयोग प्रदान किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि बूथ कमेटी का गठन सम्बन्धित बूथ पर कार्यकर्ताओं की उपस्थिति मे सर्वसम्मति से किया जाए, बैठक प्रकिया का फोटो एवं वीडियोग्राफी जिला कांग्रेस को कमेटी को अनिवार्य रूप से भेजी जाए। गठन प्रक्रिया मे उदयपुर नवाशिविर मे पारित प्रस्ताव का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है । जारी आदेश के अनुसार प्राणीश चौबे उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार बानखम्हरिया, जितेन्द्र उपाध्याय उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार साजा, झम्मन बघेल उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार नवागढ़, मोंटू तिवारी महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार संबलपुर, छोटे लाल साहू उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार नांदघाट, सुमन गोस्वामी महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार (ग्रामीण) बेमेतरा, सतीश मारकंडेय महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार बेरला, संतोष वर्मा उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा प्रभार नगर बेमेतरा का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पेड़ो के बगैर जीवन की कामना दुर्लभ है : पं. झम्मन शास्त्री

मजगांव जिला बेमेतरा मे चैत्र नवरात्र पर्व मे आयोजित

बेमेतरा। श्रीमद् भागवत ज्ञान ससाह यज्ञ महा महोत्सव में षष्ठम दिवस की कथा भाग में आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री महाराज ने रुक्मणी विवाह के मंगल मय प्रसंग मे समस्त भक्तो को सुनते हुए कहा की पेड़ो के बगैर जीवन की कामना दुर्लभ है। जीवन संभव ही नहीं विदेश में नदियां पर्वत पेड़ पौधे को केवल उपभोग की वस्तु ही माना जाता है जबकि भारत देश में जहां नदी और पेड़ों की पूजा होती है। देश में हो रही वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से वायुमंडल एवं प्रकृति को कष्ट होता है इसी प्रकार यह कार्य होता रहा तो विनाश संभव है। हजारों साल पहले ही पता चला कि मानव जाति का अस्तित्व तब तक है। जब तक नदियां, गौ माता, है बच्चे कोई भी त्यौहार हो यदि एक पेड़ रोपने का मन बना लिया जाए तो, 140 करोड़ आबादी वाले इस देश में अरबो खरबो की संख्या में पेड़ पौधे लगाए जा सकते हैं। शास्त्री महाराज ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण से हम यह सीख सकते हैं की प्रकृति से कैसे प्रेम किया जाए और भगवान श्री कृष्ण यही संदेश देते हैं। की प्रकृति से प्रेम करें यह प्रभु ने सिखाया है। की पूजा भी आवश्यक है। सनातन धर्म मे प्रभु में बिना प्रकृति के कोई भी अनुष्ठान संपन्न नहीं होते रासलीला की ही ले लो यह लीला गोलोक की लीला है। व्यक्ति को कोशिश करनी चाहिए। कि अहंकार का अंश मात्र भी उनके अंदर मौजूद न रहे। किसी तरह आडंबर से भी बचना चाहिए ।लोग आराधना के नाम पर पूजा उपासना के नाम पर दूरी बना लेते हैं। इसे बढ़ाने की जरूरत है। तब जाकर पृथ्वी पर मनुष्य आगामी हजारों वर्षों तक स्वास्थ्य और संपन्न रहेगा। शास्त्री ने बताया की भागवत कथा राम कथा को परंपरा साल भर चलती रहे। इसी के बहाने लोग 365 दिन यानी साल भर भागवत से जुड़े साथ ही सनातन धर्म का उत्थान होगा। बाल लीला रासलीला के आनंद के साथ-साथ हमें यह भी समझना है कि शिशुपाल और कंस का वध किन परिस्थितियों में हुआ हमें आती चाचलता, दमनकारी, हथकंडो से अपने हाथ खींच लेना चाहिए तथा रुक्मणी मंगल के पावन उत्सव में मंगल परिणय भगवान लक्ष्मी नारायण स्वरूप रुक्मणी और कृष्ण की पूजन आराधना एवं महाआरती संपन्न हुई।

दल्लीराजहरा की जैस्मिन साहू ने राष्ट्रीय बॉक्सिंग में जीता कांस्य पदक

दल्लीराजहरा । आंध्र प्रदेश के एसआरकेआर इंजीनियरिंग कॉलेज, भीमावरम में इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के दल्ली राजहरा की प्रतिभाशाली खिलाड़ी जैस्मिन साहू ने कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने लौह नगरी दल्लीराजहरा का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। इस प्रतियोगिता में देशभर के 28 राज्यों से 500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों से कुल 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से राजहरा मार्शल आर्ट्स क्लब की एकमात्र खिलाड़ी जैस्मिन साहू ने पदक हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान ओंकार साहू एवं तनुजा साहू ने रेफरी/जज की परीक्षा उत्तीर्ण की, वहीं प्रणव शंकर साहू एवं अमन यादव ने ऑफिशियल की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा सभी खिलाड़ियों के लिए नगद पुरस्कार, टीए/डीए तथा उच्च स्तरीय आवास की व्यवस्था की गई थी। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निजी सचिव डॉ. राकेश मिश्रा ने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने प्रदेश में बॉक्सिंग खेल के विकास हेतु हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया, साथ ही, उन्होंने जल्द ही छत्तीसगढ़ दौरे पर आकर संघ के साथ बैठक कर खिलाड़ियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेने की बात कही। जैस्मिन साहू की इस उपलब्धि पर राजहरा मार्शल आर्ट्स क्लब के संचालक लखन साहू, सह-संचालक हरबंश कौर, खिलाड़ियों, पालकों एवं खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त समाचार

सोलर लाइट पोल लगाने के नाम पर वकील से 1.33 करोड़ हड़पे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोलर लाइट पोल लगाने के नाम पर एक वकील से करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने निवेश के नाम पर करीब 1 करोड़ 33 लाख 64 हजार रुपये हड़प लिए। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पूरा मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, रायपुर के चौबे कॉलोनी निवासी अधिवक्ता विनीत तिवारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके जूनियर वकील के जरिए उनकी पहचान कुछ लोगों से हुई थी, जिन्होंने खुद को सोलर प्रोजेक्ट से जुड़ा बताया। आरोप है कि भावेश जैन, ऋतुप्रण वैष्णव और संतोष कर्ण ने मिलकर सोलर पैनल और लाइट पोल लगाने के नाम पर उनसे बड़ी रकम निवेश के तौर पर ली। बाद में जब वकील ने पैसे वापस मांगे, तो आरोपियों ने उन्हें रकम का चेक दिया, जो बैंक में जमा करने पर बाउंस हो गया। पीड़ित का कहना है कि इसके बाद आरोपियों ने संपर्क करना भी बंद कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संतोष कर्ण, गोपाल वैष्णव सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच जारी है।

मेकाहारा अस्पताल से सजायाफ्ता कैदी फरार, हथकड़ी समेत भागा आरोपी

रायपुर। राजधानी रायपुर के मेकाहारा अस्पताल से एक सजायाफ्ता कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोपी इलाज के दौरान जेल प्रहरियों को चकमा देकर हथकड़ी समेत फरार हो गया। फरार कैदी की पहचान साहेब कुमार ताती के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। वह हत्या के प्रयास के मामले में सजा काट रहा था और पिछले तीन वर्षों से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद था। जानकारी के अनुसार, कैदी को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल लाया गया था। इसी दौरान उसने मौके का फायदा उठाया और सुरक्षा में तैनात जवानों को चकमा देकर फरार हो गया। मौदहापारा थाना प्रभारी मुकेश शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम सक्रिय कर दी गई है और आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच की जा रही है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब जेल से जुड़े कैदी फरार हुए हैं। इससे पहले भी सुरक्षा में चूक के चलते इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

नेशनल हाईवे के बीच में कार खड़ी कर शराब पार्टी युवक गिरफ्तार

रायपुर। सकरी थाना क्षेत्र में देर रात नेशनल हाईवे पर बीच सड़क कार खड़ी कर शराब पार्टी करना युवाओं को महंगा पड़ गया। पुलिस ने मौके से 3 युवक और 1 युवती को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 22 मार्च की रात करीब 11:50 बजे सम्बलपुरी ओवरब्रिज पर काले रंग की कार बीच सड़क खड़ी कर जाम लगाया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में सवार युवाओं को शराब पीते हुए पकड़ा। जांच में वाहन से केक और खाने-पीने का सामान भी बरामद हुआ, पूछताछ में जन्मदिन पार्टी मनाने की बात सामने आई। एल्कोमीटर जांच में सभी के शराब सेवन की पुष्टि हुई।

उपमुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

नगर पंचायत बोड़ला को 6 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला को विकास की नई दिशा देते हुए 6 करोड़ रुपए से अधिक से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की बड़ी सौगात दी। स्थानीय हॉकी खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन पहुंचकर कार्यों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों को सुविधाओं से सुसज्जित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से किए जा रहे ये कार्य क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि यह सौगात बोड़ला के आने वाले वर्षों को विकास की दिशा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, नगर पंचायत बोड़ला के अध्यक्ष श्री विजय पाटिल, श्री नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष नगर पंचायत श्री लव निर्मलकर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, श्री नन्द श्रीवास, श्री मोहन धुर्वे, श्री राम किंकर वर्मा, श्री एम. डी. ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बोड़ला नगर में अब बांध से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जहां पानी फिल्टर प्लांट के माध्यम से शुद्ध होकर घर-घर तक पहुंचेगा। उन्होंने इसे नगरवासियों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग की पूर्ति बताया और कहा कि ग्रेविटी आधारित यह जल व्यवस्था न केवल सुविधाजनक है, बल्कि टिकाऊ और प्रभावी भी है। पेयजल की

बेहतर व्यवस्था और नगर को ऊन्नत बनाना शासन की प्राथमिकता है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में कभी नक्सली जंगलों में बंदूक लेकर घूमते थे, लेकिन अब नक्सल पुनर्वास नीति के तहत वे मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो लोग पहले हिंसा के रास्ते पर थे, वे आज लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने के लिए विधानसभा तक पहुंच रहे हैं और वहां की कार्यवाही देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की घोषणा और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को प्रदेश में मजबूती से लागू किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस दिशा में कार्य करने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी है। उन्होंने बताया कि अब तक 600 से अधिक पुनर्वासित नक्सली विधानसभा का भ्रमण कर चुके हैं और लोकतंत्र की प्रक्रिया को करीब से समझ रहे हैं, जबकि ढाई हजार से अधिक नक्सली पुनर्वास योजना के तहत मुख्यधारा में लौट चुके हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पहली बार बाहरी व्यक्ति की पहचान के लिए सुनियोजित प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत प्रत्येक जिले में टास्क फोर्स का गठन किया गया और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया। उन्होंने बताया कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बाहरी व्यक्ति का चिन्हांकन कर उनकी पहचान सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला में 512.56 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इनमें वार्ड क्रमांक 02 में 146.83 लाख रुपए की लागत से ऊन्नत (हॉकी) खेल मैदान निर्माण प्रमुख है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 10 में विवेकानंद तालाब से निकासी नाला तक 48.95 लाख रुपए की आर.सी.सी. नाली एवं कांस कल्वर्ट निर्माण, 28.53 लाख रुपए की लागत से शौचालय निर्माण, 6.00 लाख रुपए से सामुदायिक भवन के पास प्रवेश द्वार निर्माण तथा 18.20 लाख रुपए से सामुदायिक भवन का अतिरिक्त निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य शामिल हैं। इसी क्रम में 97.42 लाख रुपए से राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्ग मंदिर से स्टेडियम तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण, 13.80 लाख रुपए से ओवरहेड टैंक निर्माण, 4.62 लाख रुपए से शेड निर्माण, 8.90 लाख रुपए से पेवर ब्लॉक (फुटपाथ) निर्माण, 6.40 लाख रुपए से विवेकानंद तालाब के पास हॉल निर्माण, 9.27 लाख रुपए से हाई मास्ट लाइट स्थापना, 72.74 लाख रुपए से एन.एच.-30 पुलिया से विवेकानंद सरोवर तक नाली एवं रोड चौड़ीकरण, 46.90 लाख रुपए से बाउंड्रीवाल निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 06 में 4.00 लाख रुपए से चौक निर्माण कार्य शामिल हैं।

तेंदुआ खाल तस्करी मामले में 9 आरोपी गिरफ्तार किए

रायपुर। राज्य में वन्यजीव संरक्षण के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। 19 मार्च 2026 को केशकाल वनमंडल और राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल की संयुक्त कार्रवाई में तेंदुए की खाल की तस्करी में शामिल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।यह कार्रवाई वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में की गई।जानकारी के अनुसार, वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और एक कर्मचारी को खरीदार बनाकर तस्करों से संपर्क कराया। जैसे ही आरोपी मोटरसाइकिल और एक अन्य वाहन में तेंदुए की खाल लेकर रसगांव-बड़ेडोंगर मार्ग स्थित ग्राम बैलगांव पहुंचे, टीम ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया। मौके से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तेंदुए का शिकार करीब 7 महीने पहले अवैध हथियार (भरमार बंदूक) से किया गया था। उनकी निशानदेही पर मुख्य आरोपी को अगले दिन नारायणपुर जिले के ग्राम बोरावण्ड से गिरफ्तार किया गया। साथ ही शिकार में प्रयुक्त बंदूक भी जब्त की गई है।बरामद तेंदुए की खाल की लंबाई 195 सेंटी मीटर और चौड़ाई 45 सेंटी मीटर पाई गई है। वनमंडलाधिकारी दिव्या गौतम के निर्देशन में सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 (संशोधित 2022) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बस्तर और नारायणपुर जिलों के निवासी बताए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का निर्णय ऐतिहासिक-चिमनानी

रायपुर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कोरोना काल और अन्य आर्थिक चुनौतियों के कारण बिजली बिल का भुगतान न कर पाने वाले निम्न व मध्यमवर्गीय परिवारों के हित में 'मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026' का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस निर्णय से 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। जिस भी उपभोक्ता का 31 मार्च 2023 तक का कोई भुगतान लंबित है वह इस योजना का लाभ लेने पात्र होंगे । चिमनानी ने शुक्रवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का डेमो प्रेजेंटेशन से विस्तृत ब्यौरा साझा

किया। चिमनानी ने बताया कि 12 मार्च को योजना के शुरू होते ही शुरुआती कुछ ही घण्टों के भीतर प्रदेशभर में लगभग 5 हजार उपभोक्ता इस योजना की प्रक्रिया से जुड़ गए। यह योजना 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। सरकार इस योजना के माध्यम से 758 करोड़ रुपए की छूट उपभोक्ताओं को देने जा रही है। यह कदम उन उपभोक्ताओं के लिए संजीवनी साबित होगा जो केवल बढ़ते अधिभार की वजह से अपना बिल नहीं भर पा रहे थे। चिमनानी ने भुगतान के लिए आसान किश्तों की सुविधा का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना सिर्फनाम के लिए नहीं लाई गई है, बल्कि बकाया राशि की वसूली को सरल बनाने के लिए सरकार ने जो अभूतपूर्व व्यवस्था की है, उससे संबंधित बिजली उपभोक्ता लाभ लेने प्रेरित होंगे। इसके तहत 1 लाख रुपये से अधिक की राशि पर अधिकतम 60 किश्तें, 20 हजार से 1 लाख रुपये तक अधिकतम 50 किश्तें, 20 हजार से कम की राशि पर अधिकतम 40 किश्तें तय की गई हैं।मूल राशि में 75 प्रतिशत तक छूट ,सरचार्ज पूरा माफ्री चिमनानी ने कहा इस योजना में बीपीएल परिवारों को मूल राशि में अधिकतम 75 प्रतिशत एवं एपीएल परिवारों को 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

आर्थिक,सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण आवश्यक

- पिछड़ा वर्ग के सामाजिक विसंगतियों को दूर करना- छ.ग.पि. वर्ग आयोग अध्यक्ष निषाद

रायपुर/ संवाददाता

मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास के लिए व्यापक सर्वेक्षण अत्यंत आवश्यक है, जिसे सांख्यिकीय विभाग को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पंचायत स्तर पर प्रतिवर्ष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा देशभर के पिछड़ा वर्ग आयोगों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर साझा मुद्दों और प्रस्तावों पर चर्चा की जाए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सभागार में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया मुख्य अतिथि के रूप में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आयोग के कार्यों की समीक्षा की तथा विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिए। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू राम निषाद ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल विभिन्न जातियों की सामाजिक स्थिति, ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में विविध रूप में देखने को मिलती है। उन्होंने सामाजिक विसंगतियों को दूर करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष श्री आर.एस. विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती चंद्रकांति वर्मा, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत लाल मटियारा, उपाध्यक्ष डॉ. लखन धीवर, रजकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रहलाद रजक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव द्वारा पावर पाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण के माध्यम से छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग के हितों के संरक्षण और संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आयोग की संरचना, शक्तियों तथा प्राप्त शिकायतों एवं जाति समावेशन से जुड़े प्रकरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

ओड़िशा की तरह छग के किसानों से 3100 रु. में रबी धान खरीदे सरकार

- ओड़िशा में रबी धान की खरीदी 3100 रु. में करने किसानों का पंजीयन किया जा रहा
- छग के सीएम विष्णुदेव साय ने की थी 3100 रु. में रबी धान खरीदी की घोषणा

रायपुर। एक तरफछत्तीसगढ़ में किसानों को धान फसल के लिए हतोत्साहित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर ओड़िशा में किसानों से खरीफके साथ-साथ रबी धान की खरीदी भी 3100 रु. प्रति क्विंटल की दर पर की जा रही है। छत्तीसगढ़ में खरीफधान की खरीदी

में भी भाजपा की सरकार ने तरह-तरह की बाधाएं उत्पन्न कर किसानों को परेशान किया। एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन नहीं होने तथा टोकन नहीं कटने से किसान धान बेचने भटकते रहे। वहीं, दूसरी ओर धान उपार्जन केंद्रों में व्याप्त अव्यवस्थाओं, बार दाना संकट, उठाव नहीं होने से धान जाम की स्थिति के चलते धान खरीदी बंद होने जैसे अनेक बाधाएं सामने आई। जिसके परिणाम स्वरूप खरीफ सीजन में पूरे प्रदेश सहित महासमुंद जिले के लगभग 11 हजार पंजीकृत किसान धान बेचने से वंचित हो गए। वर्तमान रबी सीजन में धान फसल लेने वाले किसानों को खाद संकट, बिजली कटौती, लो वोल्टेज की समस्या से जूझना पड़ रहा है। उक्त वक्तव्य पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने भाजपा द्वारा ओड़िशा के किसानों से रबी फसल की खरीदी 3100 रु. में करने की तैयारी पर व्यक्त किए।पूर्व संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि रबी धान की खरीदी के लिए ओड़िशा में वगत 10 मार्च से किसानों का पंजीयन हो रहा है।

बस स्टैंड से 10 किलो गांजा जब्त,2 गिरफ्तार

रायपुर। बस का इंतजार कर रहे दो संदिग्धों को शायद अंदाजा भी नहीं था कि अगला पल उनकी गिरफ्तारी का होगा। बोधघाट पुलिस ने सटीक मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के गांजे के साथ दोनों आरोपियों को दबोच लिया, जिससे नशे के नेटवर्क पर एक बड़ा वार हुआ है। बस्तर जिले के जगदलपुर में थाना बोधघाट पुलिस ने नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। नया बस स्टैंड के पीछे घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो अवैध गांजा लेकर बस के जरिए उसे सप्लाई करने की फिराक में थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 10.36 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 5 लाख 18 हजार रुपये बताई जा रही है। 23 मार्च को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति नीले पिट्ठू बैग में गांजा लेकर बस स्टैंड के पीछे खड़े हैं और परिवहन की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम मोहम्मद नासिर (40), निवासी दिल्ली और मुकेश कुमार (26), निवासी जोधपुर राजस्थान बताया। तलाशी के दौरान बैग में सेलो टेप से पैक तीन पैकेट में कुल 10.36 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपियों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला, जिसके बाद उनके खिलाफ धारा 20 बी के तहत मामला दर्ज किया गया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स पहला दिन

कर्नाटक के धनीश एन,ओडिशा की अंजलि मुंडा ने जीते पहले स्वर्ण

- बुधवार को तैराकी में कर्नाटक ने जीते छह में से पांच स्वर्ण पदक
- कर्नाटक के मणिकांत एल और मेघांजलि ने जीते दो-दो स्वर्ण
- मेजबान छत्तीसगढ़ ने उद्घाटन दिन जीता एक रजत और एक कांस्य

रायपुर/ संवाददाता

कर्नाटक के धनीश एन और ओडिशा की अंजलि मुंडा ने बुधवार को यहां इंटरनेशनल स्विमिंग कॉम्प्लेक्स में पुरुष और महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के पहले दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। स्विमिंग में पहले दिन कर्नाटक का दबदबा रहा, जहां उसने छह में से पांच स्वर्ण पदक जीते। वहीं मेजबान छत्तीसगढ़ ने भी महिला और पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान की शुरुआत की। इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भाग ले रहे हैं, जिसमें करीब 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती सहित कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है। पहले दिन के बाद कर्नाटक सात पदकों (पांच स्वर्ण सहित) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। ओडिशा चार पदकों (एक स्वर्ण) के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ दो पदकों के साथ चौथे स्थान पर है। पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में धनीश ने 2:03.55 सेकंड का समय निकालकर अपने ही राज्य के कीर्तन शरथ (2:10.99 सेकंड) को लगभग सात सेकंड से पीछे छोड़ा। महाराष्ट्र के भक्तिश कुमरे (2:14.73 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। धनीश ने कहा, यह मेरा पहला खेलो इंडिया गेम्स है और इन खेलों का पहला स्वर्ण जीतना मेरे लिए बेहद

खास है। मुझे लगता है कि मैं इससे बेहतर समय निकाल सकता था, लेकिन मैं खुश हूं। महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल में ओडिशा ने स्वर्ण और कांस्य जीता। अंजलि मुंडा ने 2:39.02 सेकंड का समय निकालकर बेहद करीबी मुकाबले में कर्नाटक की निधि एस (2:39.09 सेकंड) को पछाड़ा। ओडिशा की श्रिया पडियामी (2:49.04 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद कर्नाटक ने बाकी स्पर्धाओं में दबदबा कायम रखा, जहां मणिकांत एल और मेघांजलि ने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में दो-दो स्वर्ण पदक जीते। मणिकांत ने पुरुष 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 1:07.41 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। महाराष्ट्र के पलाश ठाकुर (1:11.69 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि छत्तीसगढ़ के निखिल झालको (1:11.77 सेकंड) ने कांस्य पदक जीतकर मेजबान राज्य का खाता खोला। मणिकांत ने इसके बाद 50 मीटर बटरफ्लाई में भी 27.06 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। असम के फिमिनो एमोन लालुंग (27.69 सेकंड) और त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (28.48 सेकंड) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में मेहानजलि का भी शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में 1:25.81 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (1:29.10 सेकंड) ने रजत पदक हासिल किया। इसके बाद मेघांजलि ने 50 मीटर बटरफ्लाई में 34.67 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया। त्रिपुरा की तिलुत्तम जमातिया (34.85 सेकंड) और ओडिशा की रितिका मिन्ज (35.54 सेकंड) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

संपादकीय

सिस्टम का 'शॉर्ट सर्किट' और खराब उपकरण बन रहे मौत का कारण ?

दिल्ली में अनियोजित विकास की आपाधापी में जिस तरह से नियमों को धता बताया जाता रहा है, उसका नतीजा बार-बार किसी हृदयविदारक हादसे के रूप में सामने आता है। राजधानी के पालम इलाके की एक रिहाइशी इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। कुछ लोग बच गए, लेकिन बुरी तरह झुलसे हैं।बताया जा रहा है कि घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। उस इमारत में भूतल और पहली मंजिल पर कपड़े और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानें थीं, जिससे आग मिनटों में फैली। घर की बनावट ऐसी थी कि फंसे लोगों को बचाने की कोशिश नाकाम रही। साथ ही, मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों के खराब उपकरणों के कारण बचाव कार्य में देरी हुई।अगर विभाग की हाइड्रोलिक प्रणाली समय पर काम करती, तो कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस अग्निकांड से कई पुराने सवाल उठ रहे हैं, जिन पर अक्सर चर्चा होती है और नतीजा सिफर रहता है। इस हादसे में सुरक्षा नियमों की अनदेखी और विफलता के सवाल अहम हैं। दिल्ली में ऐसी कई इमारतें हैं, जो मिश्रित आवासीय-व्यावसायिक हैं। अवैध कालोनियों में नियमों के अनुपालन की उम्मीद करना बेमानी है।राजधानी में अधिकांश जगहों की यही तस्वीर है। ऐसी जगहों पर किसी भी तरह का हादसा होने पर बचाव कार्य में प्राय-दिक्कत होती है। संकरी गलियों के कारण आग लगने पर दमकल गाड़ियां पहुंचने में समय लेती हैं। अनियोजित बस्तियों में आपातकालीन सेवाओं के प्रभावी ढंग से काम करने की अक्षमता कई बार उजागर हुई है। पालम में भी यह स्थिति दिखी।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इस तरह के इलाकों में आग लगने की घटनाओं की कई बार भयावह तस्वीरें सामने आई हैं। दो साल पहले विवेक विहार के एक अस्पताल में आग लगने से अठ शिशुओं की मौत हो गई थी। ऐसी सैकड़ों घटनाएं दर्ज की गई हैं। अक्सर, इमारतों में अग्नि सुरक्षा संबंधी इंतजाम नहीं होते। विद्युत प्रणालियां दोषपूर्ण होती हैं या भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन होता है।ऐसे हादसों में अक्सर प्रशासनिक उदासीनता, नगर निकायों में भ्रष्टाचार और विकासकर्ताओं तथा अधिकारियों के बीच सांठगांठ के तथ्य सामने आते हैं। सवाल उठता है कि आगे का रास्ता क्या हो? अधिकारियों को चाहिए कि वे आपदाओं के बाद नोटिस जारी करने से आगे बढ़कर सभी क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।दिल्ली में जनसंख्या घनत्व को देखते हुए, संकरी गलियों में अग्निशमन सेवाओं की पहुंच में सुधार और विद्युत अवसंरचना का उन्नयन आवश्यक है।

56 इस्लामिक देशों को मिलाकर गठित ओआईसी और उसके इस्लामिक नाटो बनाने का वैश्विक लक्ष्य, यहूदियों के एकमात्र छोटे से मुल्क इजराइल को समाप्त करने पर तुले हुए ईरान की सनक से गहराते फिलिस्तीन-गाजा विवाद और भारतीय हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान परस्त ओआईसी के अंतर्राष्ट्रीय दांवपेंचों ने जब हिंसक और आतंकवाद परस्त इस्लामिक दुनिया को मौजूदा क्रूर संघर्ष के मुकाम तक पहुंचा दिया तो जिधर देखें उधर तबाही और बर्बाद होने के अलावा अन्य कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता। वैचारिक सवाल है कि जब हर हिंसक सोच का त्रासदीपूर्ण अंत होना नैसर्गिक प्रक्रिया के मुताबिक तय है तो फिर ईरान और अमेरिका इसी रक्तिम राह पर अग्रसर क्यों हैं? और यदि वो ऐसे ही हैं तो इससे शेष दुनिया आश्चर्यचकित क्यों है? शायद इसलिए कि उनके तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो चुकी है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध से तेल-गैस संकट गहराया

(कमलेश पांडे)

दिलचस्प बात तो यह है कि गैर नाटो देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत ने भी इस मामले में अमेरिका के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया है। यूँ तो अमेरिका ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में सहयोग मांगा, लेकिन सबने इंकार कर दिया, जिससे अमेरिका अलग थलग पड़ गया।

पश्चिमी एशिया के लिए अभिशाप साबित हो रहे ईरान-इजरायल युद्ध, कोई साधारण युद्ध नहीं बल्कि एक प्रकार का सभ्यता-संस्कृति संघर्ष है, जिसके बीज इतिहास में ही जमे हुए हैं। एक ओर जहां यह युद्ध इजरायल के लिए उसके अस्तित्व के रक्षा की लड़ाई है, वहीं दूसरी ओर यह युद्ध ईरान के लिए ईसाई मुल्कों के कथित लोकतांत्रिक-आर्थिक दांवपेंचों से ईरान को महफूज रखकर अरब-खाड़ी देशों में एक मजबूत इस्लामिक साम्राज्य स्थापित करने की मनःसंकल्पित सोच-समझ और ईरान से वैश्विक इस्लामिक साम्राज्यवाद का दबदबा बढ़ाने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर लड़ी जा रही है, जो आगे भी बदस्तूर जारी रह सकती, क्योंकि ईरानी धार्मिक शासन व संगठन का एकमात्र ध्येय यही है।

वहीं, पश्चिम एशिया और मध्य-पूर्व के अकूत तेल व गैस भंडार पर जिस तरह से अमेरिकी-यूरोपीय गठबंधन वर्चस्व कायम है, और अपने अपने हितों को लेकर उनके बीच भी अंतर्विरोध उपज चुका है, वह अप्रत्याशित है। जबकि मध्यपूर्व में अमेरिकी वर्चस्व तोड़ने के लिए रूसी-चीनी नेतृत्व भी आमादा प्रतीत हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत चल रहे दांवपेंचों से इस्लामिक मुल्क लगभग दो या चार फाड़ हो चुके हैं। सच कहूं तो शिया-सुन्नी इस्लामिक विभाजन इसकी जड़ में है, लेकिन सुन्नी बहुल सऊदी अरब, शिया बहुल ईरान, हिन्दू विरोधी पाकिस्तान और मुसलमानों का खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्किये के आपसी दांवपेंच किसी से छिपे हुए नहीं हैं।

इसके बावजूद, 56 इस्लामिक देशों को मिलाकर गठित ओआईसी और उसके इस्लामिक नाटो बनाने का वैश्विक लक्ष्य, यहूदियों के एकमात्र छोटे से मुल्क इजराइल को समाप्त करने पर तुले हुए ईरान की सनक से गहराते फिलिस्तीन-गाजा विवाद और भारतीय हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान परस्त ओआईसी के अंतर्राष्ट्रीय दांवपेंचों ने जब हिंसक और आतंकवाद परस्त इस्लामिक दुनिया को मौजूदा क्रूर संघर्ष के मुकाम तक पहुंचा दिया तो जिधर देखें उधर तबाही और बर्बाद होने के अलावा अन्य कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता।

वैचारिक सवाल है कि जब हर हिंसक सोच का त्रासदीपूर्ण अंत होना नैसर्गिक प्रक्रिया के मुताबिक तय है तो फिर ईरान और अमेरिका इसी रक्तिम राह पर अग्रसर क्यों हैं? और यदि वो ऐसे ही हैं तो इससे शेष दुनिया आश्चर्यचकित क्यों है? शायद इसलिए कि उनके तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो चुकी है, और अबतक सारा शांतिपूर्वक तमाशा देखने वाला खेल लगभग बिगड़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक दायित्व पर सवालिया निशान तो बहुत पहले ही लग चुके हैं, लेकिन पीस बोर्ड ऑफ गाजा क्या कर रहा है?

उधर, अमेरिकी-यूरोपीय देशों को बैलेंस रखने वाले रूस-चीन-उत्तरकोरिया गठजोड़ और अमेरिका को छोड़कर वीटो शक्ति प्राप्त अन्य चार देश क्या कर रहे हैं? दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का पाठ पढ़ाने वाला भारत और उसका ग्लोबल साउथ चुप्पी क्यों साधे बैठे हैं? कथित ओआईसी ईरान को मरता-पिछड़ता देखकर बेचैन क्यों नहीं हो रहा है? अब्राहम परिवार के भागीदार देशों के मुंह पर पट्टी क्यों बंधी हुई है? यदि कुछ देशों को परमाणु बम रखने और लंबी दूरी वाली मिसाइल बनाने का हक है तो फिर वही हक ईरान को रहने देने में किसको परेशानी हुई है?

सुलगता सवाल है कि क्या कर ईरान को परमाणु बम बनाने का हक नहीं है, जबकि सिर्फ पाकिस्तान को यही हक अमेरिकी अगुवाई में प्राप्त है? क्या ईरान को लंबी दूरी की मिसाइल बनाने का हक नहीं है, और सिर्फ पाकिस्तान को अमेरिकी-चीनी सरपरस्ती में प्राप्त है? आखिर ऐसी ओछी दलीलों के पीछे अमेरिकी खलनीति तो साफ नजर आती है, क्योंकि इन्हीं सतही वजहों के सहारे ईरान पर हमले किए गए। न केवल ईरानी सुप्रीम

लीडर और उनके चहेतों को मार गिराया गया, बल्कि उच्च पदस्थ लोगों के खात्मे का सिलसिलेवार अभियान इजरायल द्वारा जारी है!

फिर भी ईरान ने जो अपनी रणनीतिक ताकत दिखाई, संगठनात्मक क्षमता प्रदर्शित किया, उससे ईरान विरोधी देश दंग हैं और यूरोपीय नाटो देश भयभीत! शायद इसलिए भी अब वो अमेरिका के साथ पूरी तरह से खड़े दिखाई देना नहीं चाहते हैं। ईरान अपने ही सहोदर अरब-खाड़ी व मध्यपूर्व के देशों को जो कुटाई कर रहा है, उसकी कल्पना भी कभी ओआईसी ने नहीं की होगी! इन तमाम रक्तिम रंजिशों के पीछे समझदारी की भावना है या ईर्ष्या का भाव, यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन उससे पहले ईरान क्या करेगा? अमेरिका इजरायल परस्त अपने पड़ोसियों को कितना बर्बाद कर पाएगा, यह वक्त बताएगा।

सवाल यह भी है कि जब इस्लामिक नाटो बनाने के सपने संजोए जा रहे हैं, पाकिस्तान और तुर्की जैसे मुल्क भारत विरोध के नाम पर इजरायल विरोध तक पर तुले हुए हैं, उसके दृष्टिगत इजरायल का आक्रामक होना लाजिमी है। इस लंबे खिंचते जा रहे युद्ध से बचने के लिए दुनिया के थानेदार अमेरिका ने पूरी कोशिश की, लेकिन जिस तरह से पश्चिमी एशिया में ईरान अपनी मनमानी पर तुला हुआ है, उसे रूस-चीन-उत्तरकोरिया और कुछ हदतक भारत का समर्थन हासिल है, उसके दृष्टिगत इजरायल की रक्षा करने का कर्तव्य अमेरिका का तो बनता ही है, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ यहूदी कौम ही है। वो भी तब जबकि पश्चिमी एशिया के सुन्नी मुस्लिम देश भी शिया मुस्लिम मुल्क ईरान को कमजोर रखने को लालायित हों।

यही वजह है कि अमेरिकी आक्रामकता, इजरायली वीरता, भारतीय तटस्थता और रूस-चीन की किंकर्तव्यविमूढ़ता जहां ईरान की फजीहत करवा रही है, वहीं शेष दुनिया में तेल-गैस के लाले पड़े हुए हैं। इससे इनके सदस्यों से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए युद्धपोत भेजने की मांग की है, लेकिन यूके और जर्मनी जैसे देशों ने इसे नाटो का मामला मानने से इनकार कर दिया। इस मतभेद के कई कारण हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान-अमेरिका-इजरायल संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का 20 प्रतिशत हिस्सा ले जाता है। इससे बिफरते हुए ट्रंप ने चेतावनी दी कि सहयोगी मदद न करने पर नाटो का भविष्य 'बहुत बुरा' होगा, लेकिन जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि नाटो ने कोई फैसला नहीं लिया और यह उसकी जिम्मेदारी नहीं। जबकि यूके के पीएम कीयर स्टार्मर ने यूरोप, खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ अलग गठबंधन बनाने की बात कही, नाटो को शामिल किए बिना।

दिलचस्प बात तो यह है कि गैर नाटो देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत ने भी इस मामले में अमेरिका के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया है। यूँ तो अमेरिका ने चीन से भी होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में सहयोग मांगा, लेकिन सबने इंकार कर दिया, जिससे अमेरिका अलग थलग पड़ गया। सवाल है कि जिस नाटो को अमेरिका ने खड़ा किया, आज वही अमेरिकी इशारे को मानने को तैयार क्यों नहीं हुआ? आखिर इसके क्या कूटनीतिक मायने हैं?

चूंकि ये मतभेद नाटो की एकजुटता पर सवाल उठाते हैं, खासकर मध्य पूर्व जैसे क्षेत्र में जहां अनुच्छेद 5 (सामूहिक रक्षा) लागू नहीं होता। दरअसल, यूरोपीय देश पश्चिम एशिया को नाटो के दायरे से बाहर रखना चाहते हैं, जो ट्रंप की 'ट्रांजेक्शनल' नीति से टकरा रहा है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार अस्थिर हो रहा है और ईरान को संकेत मिल रहा है कि नाटो विभाजित है। स्पष्टतः इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ेगा। भारत के लिए, जो तेल आयात पर निर्भर है, यह ऊर्जा संकट बढ़ा सकता है।

ममता बनर्जी के किले में इस बार लग सकती है सेंध, भाजपा ने बिछाई है जबरदस्त चुनावी बिसात

(नीरज कुमार दुबे)

भाजपा ने सामाजिक समीकरणों पर भी खास ध्यान दिया है। अनुसूचित जाति और जनजाति सीटों पर मजबूत उम्मीदवार उतारकर पार्टी ने अपने आधार को और व्यापक बनाने का प्रयास किया है। उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण तक हर क्षेत्र में संतुलन साधने की रणनीति साफ दिख रही है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पहली और दूसरी सूची जारी कर साफ संकेत दे दिया है कि इस बार वह आधी अधूरी तैयारी के साथ नहीं बल्कि पूरी ताकत, पूरी रणनीति और पूरी आक्रामकता के साथ मैदान में उतरी है। खासतौर पर दूसरी सूची में 111 उम्मीदवारों के नामों पर नजर डालने पर पता चलता है कि एक एक सीट पर गहरे मंथन के बाद उम्मीदवार तय किये गये हैं। हम आपको बता दें कि हिंगलगंज से रेखा पात्रा, खड़दह से कल्याण चक्रवर्ती, सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली, मथाभांगा से निसिथ प्रमाणिक, चोपड़ा से शंकर अधिकारी, बैरकपुर से कौस्तव बागची, कमरहाटी से अरूप चौधरी जैसे नाम सीधे चुनावी मुकाबले को और दमदार बना रहे हैं। इसके अलावा एंटाली से प्रियंका तिबरेवाल और मणिकतला से तपस रॉय जैसे उम्मीदवार राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखते हैं।

अगर पहली सूची पर नजर डालें तो वहां भी बड़े नामों की भरमार है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को नंदीग्राम के साथ-साथ भवानीपुर से उतारकर पार्टी ने सीधे ममता बनर्जी को चुनौती दे दी है। दिलीप घोष, स्वपन दासगुप्ता, अग्निमित्रा पाल, रुद्रनील घोष और बंकिम चंद्र घोष जैसे चेहरे इस चुनाव को हाई वोल्टेज बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस बार पार्टी ने सिर्फ चर्चित चेहरों पर नहीं बल्कि जमीनी कार्यकर्ताओं पर भी भरोसा दिखाया है। आउटरीच से कलिता माजी जैसी साधारण पृष्ठभूमि की कार्यकर्ता को टिकट देना इसी रणनीति का हिस्सा है।

इस चुनाव का एक और बड़ा और चौंकाने वाला पहलू है पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ. राजेश कुमार का राजनीति में प्रवेश। यह सिर्फ एक उम्मीदवार का नाम नहीं बल्कि भाजपा की रणनीतिक चाल है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक अनुभव, वित्त और प्रबंधन में गहरी समझ और कानून व्यवस्था पर मजबूत पकड़ उन्हें एक अलग ही स्तर का नेता बनाती है। कोलकाता के पुलिस आयुक्त के रूप में उनका कार्यकाल, अपराध जांच विभाग और यातायात सुरक्षा जैसे अहम पदों पर उनकी भूमिका उन्हें आम नेता से अलग पहचान देती है।

उनकी छवि एक सख्त लेकिन न्यायप्रिय अधिकारी की रही है। मानव तस्करी के खिलाफ उनकी मुहिम और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए किए गए काम उन्हें जनता के बीच भरोसेमंद चेहरा बनाते हैं। भाजपा के लिए यह कदम इसलिए भी फायदेमंद है क्योंकि बंगाल में कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ऐसे में एक पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी का चुनावी मैदान में उतरना सीधे तौर पर संदेश देता है कि पार्टी व्यवस्था सुधारने के लिए गंभीर है।

राजनीतिक रूप से भी यह दांव गहरा है। डॉ. राजेश कुमार का प्रशासनिक और बौद्धिक कद भाजपा को उस वर्ग में भी मजबूती देगा जो अब तक तटस्थ रहा है। उनकी कानूनी लड़ाइयों ने यह भी साबित किया है कि वह दबाव में झुकने वाले नहीं हैं। यह छवि भाजपा के लिए चुनाव में बड़ी पूंजी साबित हो सकती है।

इस चुनाव को और भावनात्मक और विस्फोटक बनाने वाला मुद्दा है आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना। उस दर्दनाक घटना ने पूरे बंगाल को झकझोर दिया था। अब पीड़िता की मां का राजनीति में आने का संकेत यह बता रहा है कि जनता के भीतर गुस्सा अभी ठंडा नहीं हुआ है। महिलाओं का सड़क पर उतरना, रात भर प्रदर्शन करना और न्याय की मांग करना तृणमूल सरकार के खिलाफ एक बड़ा जनमत बना चुका है। माना जा रहा है कि पीड़िता की मां ने भाजपा से पनिहाटी से टिकट मांगा है। भाजपा उन्हें उम्मीदवार बनाने पर विचार कर रही है क्योंकि पार्टी उस जनाक्रोश को राजनीतिक ऊर्जा में बदलने की कोशिश कर रही है। हम आपको बता दें कि पनिहाटी उन 38 सीटों में शामिल है जहां से भाजपा ने अब तक अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किये हैं।

आपातकाल में गए जेल फिर बने पत्रकारिता की आवाज, मिसाल है सतीश जैन की जीवन यात्रा

करेली / 25 जून 1975...भारत के इतिहास का वो काला दिन जो आज भी देश की शान पर बदनुमा दाग की तरह है. इस दिन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी (आपातकाल) की घोषणा कर दी थी. आपातकाल से मतलब है लोगों के अधिकार खत्म और सिर्फ अंधा कानून. संविधान का कोई मतलब ही नहीं रह गया था. जो भी इसके खिलाफ आवाज उठाता उसे जेल में ठूंस दिया जाता था. जब देश भर की जेलें राजनैतिक कैदियों से भर गई तो सरकारी इमारतों को अस्थाई जेल बनाकर आपातकाल के विरोधियों को उसमें रखा गया.

इस सबके बीच सुकून की सिर्फ एक वजह, एक आस थी...वो थे देश के युवा. जिन्होंने ठान लिया था कि इस तानाशाही के आगे नहीं झुकेंगे. उन्होंने जान की बाजी लगाकर आपातकाल का विरोध किया. फिर चाहे वो गांव हो या शहर हर जगह एक ही नारा था इस देश के लोकतंत्र को बचाना है, यहां के संविधान को बचाना है.

देश के दिल से उठी विरोध की आवाज... : देश के दिल मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के छोटे से कस्बे करेली के युवा भी इससे इतर नहीं थे. उन्होंने भी जैसे ही आपातकाल की घोषणा सुनी, इसके विरोध में नगर के मुख्य मार्ग पर जुलूस निकाला, जमकर नारेबाजी की, जिनमें से कई नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. इससे आंदोलनकारियों को यह समझ आया कि ये लड़ाई लंबी चलने वाली है. तब उन्होंने भी इसके लिए कमर कस ली. जबकि उस समय कांग्रेस के खिलाफ एक शब्द बोलना भी बहुत मुश्किल होता था. लोग डरते थे.

नारे लिखने पर भेजा गया जेल : इन युवाओं में 22 साल के युवा पत्रकार सतीश जैन भी शामिल थे. वे अपने 2 अन्य साथियों विजय सोनी और रशीद कुरैशी के साथ रात में नगर के प्रमुख स्थलों और पुलिस थाने की दीवारों पर आपातकाल के विरोध में नारे लिखा करते थे, ताकि लोगों को लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरुक कर सकें. लेकिन कांग्रेस को यह रास नहीं आया.

एक सुबह कांग्रेस के नेताओं ने युवा पत्रकार सतीश जैन को पुलिस से गिरफ्तार करवाकर जेल भेज दिया. इसके बाद वे कई महीनों तक जेल में रहे. लेकिन कांग्रेस की तानाशाही के आगे सिर नहीं झुकाया. पूरे देश में कड़े विरोध के बाद आखिरकार इंदिरा गांधी को इमरजेंसी हटानी पड़ी.

पत्रकारिता के क्षेत्र में बने मिसाल : जेल से आने के बाद युवा पत्रकार सतीश जैन ने सामाजिक कार्यों को अपने जीवन का मकसद बना लिया. एक ओर वे अपनी लेखनी के जरिए युगधर्म, स्वदेश नवभारत, दैनिक भास्कर, देशबंधु जैसे कई अखबारों में नगर से जुड़े मुद्दे उठाते रहे. ईमानदारी और बड़ी मेहनत से उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में जिले में अपनी अलग पहचान बनाई. तहसील पत्रकार संघ के अध्यक्ष रहकर जिले के पत्रकारों को भी नई दिशा दी. कई पत्रकार सम्मेलन और साहित्य सम्मेलनों में हिस्सा लिया और आयोजन में सहयोग किया.

सामाजिक कार्यों में भी सक्रियता : सतीश जैन ने पत्रकारिता के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी पूरी सक्रियता से योगदान दिया. नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था नव जाग्रति मंडल के सदस्य बने और सरस्वती शिशु मंदिर के संचालन में उल्लेखनीय भूमिका निभाई.

इस दौरान वे अपनी कलम के जरिए विभिन्न अखबारों में नगरवासियों की सुविधाओं के लिए सरकार से मांग उठाते रहे, साथ ही विभिन्न आंदोलनों और सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहे. धार्मिक आयोजन जैसे गणेश उत्सव हो या नगर के युवाओं की शिक्षा के लिए सुभाष वाचनालय की शुरुआत करना और उसका सुव्यवस्थित संचालन करना. या फिर नगर में अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 20 बिस्तर के अस्पताल की मांग को लेकर धरना देना, मेल ट्रेन के करेली स्टॉपेज के लिए रेल रोको आंदोलन करना, घरेलू गैस की सुचारू आपूर्ति के लिए आंदोलन करना... सभी में पत्रकार सतीश जैन ने सक्रियता से भूमिका निभाई.

यही वजह है कि बीते करीब 40 सालों की पत्रकारिता की लंबी यात्रा में उन्होंने ना केवल करेली नगर बल्कि पूरे नरसिंहपुर जिले में अपनी अमिट छाप छोड़ी. कई सामाजिक संस्थाओं ने उन्हें इन कार्यों के लिए कई बार सम्मानित किया. मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी आपातकाल के दौरान जेल में बंद रहे लोगों को लोकतंत्र सेनानी का दर्जा देकर सम्मानित किया, जिसमें सतीश जैन भी शामिल हैं. आज उनकी पत्रकारिता की विरासत को उनकी बेटी श्रद्धा जैन आगे बढ़ा रही है. जिसने देश के कई प्रतिष्ठित अखबारों और टीवी चैनल के लिए रिपोर्टिंग की. वर्तमान में श्रद्धा जैन देश के टॉप न्यूज चैनल जी न्यूज में असिस्टेंट न्यूज एडिटर के पद पर कार्यरत हैं.

बदइंतजामी : सहकारी बैंक में अपने ही पैसों के लिए भटक रहे हैं किसान, प्रशासन मौन

फरसगांव/के शकाल। कोंडागांव जिले के फरसगाँव स्थित जिला सहकारी बैंक में इन दिनों अव्यवस्था चरम पर है और इसका सबसे बड़ा खामियाजा अन्नदाता किसानों को भुगतना पड़ रहा है। खेती-किसानी के अहम समय में जब किसानों को पैसों की सख्त जरूरत है, तब उन्हें अपने ही खातों से रकम निकालने के लिए कई-कई दिनों तक बैंक के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। बैंक के बाहर रोजाना किसानों की लंबी कतारें लग रही हैं। कोई तीन दिन से इंतजार कर रहा है तो कोई चार दिन से, लेकिन जब नंबर आता है तो उन्हें महज 10 से 20 हजार रुपये देकर वापस भेज दिया जाता है। यह स्थिति न सिर्फ अव्यवस्था को दर्शाती है, बल्कि व्यवस्था पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है। किसानों की पीड़ा साफ झलक रही है। अपने ही खून-पसीने की कमाई निकालने के लिए उन्हें अधिकारियों और कर्मचारियों के सामने बार-बार हाथ जोड़ने पड़ रहे है। कई किसान सुबह से धूप में बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब तक नहीं मिलता। किसानों का कहना है कि हम कई दिनों से बैंक के चक्कर काट रहे है, लेकिन जरूरत के समय पैसे नहीं मिल पा रहे हैं। 3-4 दिनों के इंतजार के बाद भी केवल 10-20 हजार रुपये देकर वापस भेज दिया जाता है। इससे खेती का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। विट्ठल फार्म भरने के दिन ही भुगतान मिलना चाहिए, लेकिन यहां तो स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। इधर बैंक प्रबंधन अपनी मजबूरी बताकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ता नजर आ रहा है। बैंक मैनेजर के अनुसार, कैश लिमिट कम मिलने के कारण यह स्थिति बनी हुई है। शाखा को प्रतिदिन लगभग दो करोड़ रुपये की आवश्यकता है, लेकिन फिलहाल केवल 50 लाख रुपये ही उपलब्ध हो पा रहे हैं। इस संबंध में उच्च कार्यालय को कई बार पत्र लिखकर लिमिट बढ़ाने की मांग की जा चुकी है। हालांकि सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक किसान इस अव्यवस्था का शिकार होते रहेंगे? जब किसानों की जरूरत के समय ही उन्हें उनके हक का पैसा नहीं मिल पा रहा है, तो फिर ऐसी व्यवस्था का क्या औचित्य रह जाता है। अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब संज्ञान लेता है, या फिर किसान यूं ही अपने ही पैसों के लिए दर-दर भटकते रहेंगे।

विश्व टीबी दिवस पर 48 ग्राम पंचायत सरपंच व स्वस्थ्य कार्यकर्ता सम्मानित

सरायपाली। स्वर्गीय मोहनलाल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व क्षय रोग दिवस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुपमा आनन्द के द्वारा टीबी मुक्त हो चुके 48 ग्राम पंचायत सरपंच को सम्मानित किया गया, जिसमें से 20 को कांस्य व 28 को सिल्वर का प्रमाण पत्र के साथ मोमेंटो प्रदान किया गया इस कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुणाल नायक द्वारा बताया गया कि टीबी बीमारी माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस नामक जीवाणु से फैलता है जिसका खोज 24 मार्च 1882 को जर्मनी के डॉ रॉबर्ट कोच के द्वारा किया गया था इसीलिए इस दिवस को क्षय रोग दिवस के रूप मे मनाते हैं।

टीबी का इलाज डॉटस पद्धति से किया जाता है जिसमें रोगी 6 माह में पूर्ण स्वस्थ हो जाता है इस वर्ष 2026 का थीम हम तर्कदिक को समझ कर सकते हैं प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, नवाचार और प्रतिबद्ध समुदायों द्वारा संचालित है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जिसका प्रमुख लक्षण खांसी को बुखार आना, पसीना आकार बुखार उतर जाना, भूख ना लगना, वजन में कमी होना।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गूकोंदल की बदहाली पर फूटा गुस्सा : सर्व आदिवासी समाज ने घेरा प्रशासन, सीएमएचओ ने दिए सुधार के निर्देश

भानुप्रतापपुर। जिले के दुर्गूकोंदल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की चरमराती व्यवस्था को लेकर सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग ने मोर्चा खोल दिया है। समाज ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखकर अस्पताल में व्याप्त गंभीर अव्यवस्थाओं को दूर करने की कड़ी चेतावनी दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने खंड चिकित्सा अधिकारी को तत्काल सुधार के निर्देश जारी किए हैं।

मरीजों की जान से खिलवाड़ : ये हैं प्रमुख समस्याएं – सर्व आदिवासी समाज द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष ललित नरेटी के नेतृत्व में सौंपे गए मांग पत्र में छह मुख्य बिंदुओं पर ध्यानाकर्षण किया गया है। एंबुलेंस का दुरुपयोगः आरोप है कि अस्पताल की 108 एंबुलेंस और अन्य सरकारी वाहनों का उपयोग निजी कार्यों या अन्य स्थानों पर किया जा रहा है। इसके कारण गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर होने पर स्वयं के खर्च पर निजी वाहन करना पड़ता है, जिससे गरीब ग्रामीणों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। पीने का पानी और शौचालय का अभावः अस्पताल परिसर में स्वच्छ पेयजल और प्रसाधन की उचित व्यवस्था नहीं होने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर निर्धारित ड्रेस कोड का पालन नहीं करते, जिससे मरीज यह नहीं समझ पाते कि डॉक्टर कौन है। इसके कारण अक्सर वाद-विवाद की स्थिति निर्मित होती है। लापता डॉक्टर और रात्रि सेवाः रात के समय डॉक्टरों की उपलब्धता न होने के कारण स्टाफ कर्मी भी दवा देने में असमर्थ महसूस करते हैं। समाज ने मांग की है कि रात्रि ड्यूटी वाले डॉक्टरों के नाम और मोबाइल नंबर बोर्ड पर स्पष्ट रूप से अंकित किए जाएं। ओपीडी समय में बदलावः वर्तमान में ओपीडी का समय सुबह और शाम के दो सत्रों में है। क्षेत्र में परिवहन की कमी को देखते हुए इसे सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक लगातार करने की मांग की गई है। सुरक्षा का अभावः अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता न होने के कारण कर्मचारी और मरीज, दोनों ही असुरक्षित महसूस करते हैं।

प्रशासनिक हरकतः सीएमएचओ ने लिया संज्ञान – सर्व आदिवासी समाज की इस शिकायत के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कांकेर ने तत्काल कार्रवाई की है। दिनांक 25 मार्च 2026 को पत्र के माध्यम से खंड चिकित्सा अधिकारी दुर्गूकोंदल को निर्देशित किया गया है कि वे आवेदन में बताए गए बिंदुओं पर बिंदुवार विचार करें और अस्पताल संचालन की व्यवस्था में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। इस पत्र की प्रतिलिपि संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, कलेक्टर और संभागीय संयुक्त संचालक को भी भेजी गई है, ताकि मामले की निगरानी उच्च स्तर पर की जा सके।

रसूख के आगे बौना पड़ा प्रशासन : दुर्गूकोंडल में सोलर प्लांट की आड़ में 144 पेड़ों की बलि, उद्योगपति पर मेहरबानी के आरोप

भानुप्रतापपुर। जिले के दुर्गूकोंदल में पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों की धज्जियाँ उड़ाने वाला एक बड़ा मामला सामने आया है। ग्राम सिवनी में भिलाई के एक रसूखदार उद्योगपति द्वारा बिना किसी अनुमति के जेसीबी मशीनों से 144 से अधिक विशालकाय पेड़ों को जड़ से उखाड़ फेंका गया। इस 'पर्यावरण हत्याकांड' को लेकर आम आदमी पार्टी और शिवसेना ने मोर्चा खोल दिया है, वहीं स्थानीय प्रशासन पर मिलीभगत के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

सोलर प्लांट के नाम पर 'जंगल' साफ – मिली जानकारी के अनुसार, भिलाई के उद्योगपति और 'मनमीत इस्पात प्राइवेट लिमिटेड' के संचालक संदीप अग्रवाल ने ग्राम सिवनी में लगभग 30 एकड़ (12.20 हेक्टेयर) जमीन खरीदी है। बताया जा रहा है कि यहाँ सोलर प्लांट लगाने की तैयारी चल रही है, जिसकी आड़ में वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ों पर बेरहमी से जेसीबी चलवा दी गई। सोशल मीडिया पर तबाही की तस्वीरें वायरल होने के बाद विभाग की नींद खुली, लेकिन तब तक सैकड़ों पेड़ धराशायी हो चुके थे।

नियमों का दोहरा चेहरा : किसान बनाम उद्योगपति – इस घटना ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में भारी आक्रोश है कि कानून केवल गरीबों के लिए है। आम किसानः यदि कोई किसान अपनी निजी जमीन का एक पेड़ भी काटता है, तो वन और राजस्व विभाग 'वृक्ष संरक्षण अधिनियम' का हवाला देकर उसे महीनों प्रताड़ित करते हैं और भारी जुर्माना वसूलते हैं।

रसूखदारः यहाँ 144 पेड़ों का सरेआम 'कत्लेआम' हो गया, लेकिन अब तक न तो मशीनें जब्त की गई हैं और न ही कोई सख्त कानूनी कार्रवाई हुई है।

राजनीतिक दलों का तीखा हमला और आंदोलन की चेतावनी – आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव हरेश चक्रधारी ने कहा कि राजस्व और वन विभाग को इसकी पूरी जानकारी थी, लेकिन कार्रवाई के बजाय तमाशा देखा गया।

अब साक्ष्यों को छुपाने के लिए केवल खानापूर्ति की जा रही है। वहीं, शिवसेना ने इसे 'पर्यावरण की डकैती' करार दिया है। शिवसेना के प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्र ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा यह सिर्फ पेड़ों की कटाई नहीं, बल्कि क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर हमला है। उद्योगपतियों की गुंडागर्दी के आगे प्रशासन मौन क्यों है? अगर जल्द ही दोषियों पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, तो शिवसेना उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

कानूनी प्रावधानों का खुला उल्लंघन – जानकारों के मुताबिक, यह मामला भारतीय वन अधिनियम, पर्यावरण अधिनियम 1986 और भू-राजस्व संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दंडनीय है। बिना डायवर्जन या अनुमति के व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस तरह बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई पूरी तरह अवैध है।

प्रशासन से प्रमुख मांगें – संबंधित उद्योगपति और संलिप्त माफियाओं पर तत्काल एफआईआर दर्ज हो। अवैध कटाई में प्रयुक्त मशीनों को तत्काल जब्त किया जाए। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय हो।

वासंतीय नवरात्र के सप्तमी तिथि को की गई माता कालरात्रि की पूजा

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल में इन दिनों नवरात्रि पर्व की धूम है।नगर के आस्था का प्रमुख केंद्र श्री राघव मन्दिर में चैत्र शुक्ल सप्तमी तिथि बुधवार मां दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि की आराधना की गई। प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ल द्वारा जानकारी दी गई कि माता का सातवां स्वरूप कालरात्रि के नाम से जानी जाती है। मां कालरात्रि का स्वरूप देखने में अत्यंत भयानक है, लेकिन ये सदैव शुभ फल ही देने वाली हैं। इसी कारण इनका एक नाम शुभंकरी भी है। उनके साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य का वह भागी हो जाता है। दानव, दैत्य, राक्षस, भूत, प्रेत आदि इनके स्मरण मात्र से ही भयभीत होकर भाग जाते हैं। ये ग्रह-बाधाओं को भी दूर करने वाली हैं। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में होता है। मां के इस स्वरूप को अपने हृदय में अवस्थित कर साधक को एकनिष्ठ भाव से उनकी अराधना करनी चाहिए।

केरलापाल में हिंदू नव वर्ष का उल्लास : कलश यात्रा के साथ संस्कारों का संदेश

सुकमा। सरस्वती शिशु मंदिर केरलापाल विद्यालय में हिंदू नव वर्ष का पर्व अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भव्यता के साथ बुधवार को मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। बच्चों के चेहरे पर उत्साह, परंपरागत वेशभूषा में सजे नन्हें-मुन्ने और वातावरण में गूंजते जयकारों ने पूरे कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नगर में निकाली गई भव्य कलश यात्रा रही। विद्यालय के छात्र-छात्राएं सिर पर कलश धारण कर अनुशासित पंक्तियों में चलते हुए पूरे नगर में भ्रमण करते नजर आए। इस दौरान भारत माता की जय और जय श्री राम जैसे उद्घोषों से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। नगरवासियों ने भी इस यात्रा का जगह-जगह स्वागत कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल पर्व मनाना नहीं, बल्कि समाज में हिंदुत्व जागरण और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। विद्यालय परिवार ने इस माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया कि आज के आधुनिक दौर में भी अपने संस्कारों और परंपराओं को सहेज कर रखना अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को संस्कारवान और हिंदुत्वनिष्ठ बनाने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल मानी जा रही है। विद्यालय की प्रधानाचार्य सावेश दुर्गा ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चे ही हमारे भविष्य की नींव हैं, और यदि उन्हें आज सही संस्कार दिए जाएं, तो वे आने वाले समय में समाज और राष्ट्र की संस्कृति को सशक्त बनाए रखेंगे। उन्होंने सभी अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़कर रखें। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्यगण सहित अलका मौर्य एवं सुशीला विश्वकर्मा की विशेष उपस्थिति रही, जो निस्वार्थ भाव से विद्यालय और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सदैव समर्पित रहती हैं। उनके सहयोग और समर्पण से ही ऐसे आयोजनों को सफल रूप दिया जा सका।

समापन के दौरान बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिसने कार्यक्रम में भावनात्मक रंग भर दिया। यह आयोजन न केवल एक पर्व का उत्सव था, बल्कि आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास भी साबित हुआ।

कलेक्टर ने धान उठाव में तेजी लाने को लेकर ली बैठक

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने की समितियों में धान उठाव में तेजी लाने विभागीय अधिकारियों और राइस मिलर्स की बैठक ली और आपसी समन्वय से कार्य में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया। बैठक के दौरान कलेक्टर ने धान उठाव कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए राइस मिलर्स को वाहनों की संख्या बढ़ाने हेतु निर्देशित किया, ताकि जल्द से जल्द उठाव हो सके। साथ ही चावल जमा मे भी प्रगति लाने मिलर को अपनी मिलिंग क्षमता का पूरा उपयोग करने निर्देशित किया गया इस अवसर पर राइस मिलर्स ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर, खाद्य अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी, सहकारिता विभाग के अधिकारी और राइस मिलर्स उपस्थित थे।

डाडा कप सीजन-1 की नीलामी हुई पूरी, 5 अप्रैल से शुरू होंगे रात्रिकालीन रोमांचक मुकाबले

केशकाल। केशकाल के प्रतिष्ठित नागरिक स्व. डाडा भाई मेमन की स्मृति में सुरखींगर स्टेडियम में 5 मार्च से 16 मार्च तक रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता डाडा कप - सीजन 1 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के आयोजक अख्तर मेमन और वसीम मेमन हैं। मंगलवार शाम केशकाल बस स्टैंड में खिलाड़ियों की नीलामी (ऑक्शन) आयोजित की गई, जिसमें खिलाड़ियों को उनकी क्षमता के अनुसार ए और बी श्रेणियों में विभाजित किया गया। इस दौरान रॉयल चैलेंजर्स केशकाल टीम ने सूर्यांश नेताम (हनी) को सर्वाधिक 76,000 पॉइंट में खरीदकर सबसे महंगा खिलाड़ी बनाया। इसके अलावा इस्तियाक मेमन को 73,000 पॉइंट, गीतेश नेताम को 52,000 पॉइंट, अख्तर मेमन को 49,000 पॉइंट तथा शाकिर हुसैन को 45,000 पॉइंट में खरीदा गया।

विजेता को मिलेगा 66,666 रुपए का इनाम- आपको बता दें कि डाडा कप सीजन-1 में कुल 9 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें प्रत्येक टीम के लिए 15 खिलाड़ियों का चयन नीलामी के माध्यम से किया जा रहा है। ये सभी टीमें आपस में 8-8 मैच खेलेंगी। इस प्रतियोगिता के विजेता टीम को इनाम के रूप में 66,666 रुपए एवं ट्रॉफी तथा उप विजेता टीम को 44,444 रुपए एवं ट्रॉफी दी जाएगी। इस प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार, यह प्रतियोगिता खेल प्रतिभाओं को मंच देने और क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के दौरान हर रात रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। ये टीमें दिखाएंगी अपना जौहर- 1. टीम सुपर चैंपियंस केशकाल (आवेश मेमन) 2. टीम यासीन केशकाल (मो. यासीन मेमन) 3. टीम अरिहंत केशकाल (भरत मालू) 4. जोहार किसान 11 केशकाल (पूनम कुमार जायसवाल)।

उल्लास महापरीक्षा में 10,570 परीक्षार्थियों ने लिया हिस्सा

कोण्डागांव। जिले में 'उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत 22 मार्च 2026 दिन रविवार को महापरीक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का संचालन कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई तथा जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान और जिला परियोजना अधिकारी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। महापरीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षर नागरिकों ने साक्षर बनने के संकल्प के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला परियोजना अधिकारी के अनुसार, इस अभियान के तहत कुल 14,470 शिक्षार्थियों का पंजीयन हुआ था, जिनमें से 10,570 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। जिले के पांचों विकासखंडों में बनाए गए 469 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की गई। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके तहत वर्ष 2027 तक देश को पूर्ण साक्षर बनाने का संकल्प लिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के निरक्षर नागरिकों को पढ़ना-लिखना, गणना करना और आवश्यक जीवन कौशलों से सशक्त बनाना है।

पीड़िता के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने वाले आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्यवाही

कोण्डागांव। प्रार्थिया द्वारा थाना में लिखित आवेदन पेश किया कि 18 मार्च 2026 को अपने गांव में शादी हो रहा था हल्का बारिश होने मै अपने घर गई और मेरे पति भी थे उसी समय ग्राम हिराबाग ओड़ारगांव के पंचुराम भी आये थे और मेरे पति को शादी घर में खाना बनाने वाले बुला रहे है बोलकर शादी घर भेजे और मै दूसरे कमरे में सोई थी रात्रि करीबन 10:00 बजे मुझे अकेली देखकर कमरे में घुसकर आरोपी पंचुराम द्वारा जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया है कि रिपोर्ट पर थाना अनंतपुर में अपराध क्रमांक 10/2026 धारा 64(1) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना की गम्भीरता को देखते हुए 23 मार्च 2026 को पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) रूपेश कुमार के पर्यवेक्षण में एवं थाना प्रभारी गोपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में अनंतपुर पुलिस द्वारा टीम गठित कर आरोपी के सकुनत पर दबिश देकर आरोपी पंचुराम बघेल पिता रामनाथ बघेल उम्र 29 वर्ष जाति भतरा साकिन हिराबाग ओड़ारगांव थाना अनंतपुर जिला कोण्डागांव को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय केशकाल के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

संक्षिप्त समाचार

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न बिलासपुर मंडल दर्पण' ई-पत्रिका के 13 वें अंक का मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन द्वारा विमोचन

बिलासपुर। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक दिनांक 25 मार्च 2026 को संपन्न हुई । बैठक में अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन) श्री के श्रीनिवास, अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) श्री जमना शंकर मीना एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित थे । उक्त बैठक में प्रभारी राजभाषा अधिकारी ने रेलवे बोर्ड की मानक कार्यसूची के अनुसार अक्टूबर– दिसम्बर' 2025 में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया । बैठक के दौरान मंडल रेल प्रबंधक के करकमलों से 'बिलासपुर मंडल दर्पण' ई-पत्रिका के 13 वें अंक का विमोचन किया गया । अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) ने महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में दिये गए निदेशों से सभी को अवगत कराया एवं इसका शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया समिति के अध्यक्ष एवं माननीय मंडल रेल प्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति संतोषजनक है । अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण हिंदी प्रयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि करें । बैठक का संचालन प्रभारी राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार ने किया ।

रेशम के खेती ले बढात हे रोजगार, सुघ्घर छत्तीसगढ़, अउ खुशहाल परिवार : बी.एल.उइके सहायक संचालक रेशम विभाग बिलासपुर

बिलासपुर। बिलासपुर कार्यालय सहायक संचालक रेशम विभाग रामेश्वर ध्रुव रेशम विभाग फिल्ड आफिसर से मिली जानकारी के अनुसार रेशम कृमिपालन का कार्य मुख्य रूप से पिछड़े क्षेत्र के गरीबी रेखा से निचे जीवन यापन करने वाले हितग्राहियों द्वारा किया जाता हैं द्य क्रिमिपालन कार्य कृषि एवं घरेलु कार्यो के साथ ही किया जाता हैं द्य जिले में कोसाफल का उत्पादन केंद्र एवं वनखंडो में उपलब्ध साजा एवं अर्जुन के पौधो पर स्थानीय एवं वन समिति के हितग्राहियों द्वारा किया जाता हैं द्य कोसा उत्पादन का कार्य जून से जनवरी माह तक किया जाता हैं और इस दौरान तीन फसल में हितग्राहियों द्वारा प्रति फसल ओसतन 15 से 20 हजार रुपये का आर्थिक लाभ प्राप्त किया जाता हैं कोसा क्रिमिपालन हेतु हितग्राहियों को सभी सुविधाओ व तकनिकी मार्गदर्शन विभाग द्वारा निशुल्क प्रदान किया जाता हैं और उत्पादन कोसफलों का विक्रय खुले बाजार में या रेशम विभाग द्वारा संचालित ककून बैंक द्वारा समर्थन मूल्य पर क्रय किया जाता हैं इस वर्ष एक समूह कार्यरत हैं जिसमें 31 लोग हितग्राही हैं ? इसके अलावा इस वर्ष 372 हितग्राहियों द्वारा 35,04,881 नग कोसाफल का उत्पादन किया जा चूका हैं द्य जिससे हितग्राहियों को 23,554 रूपए प्रति हितग्राही का वार्षिक आय अतिरिक्त प्राप्त हुआ हैं द्य रेशम विभाग का मुख्य उद्देश्य हितग्राहियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा क्रिमिपालन/धागाकरण द्वारा उनके आय में वृध्दि करना हैं

बस की पहली सीट पर विराजमान हुए संकट मोचन हनुमान

बिलासपुर से रवाना हुआ 1008 रामभक्तो रथ..अयोध्या नगरी में करेंगे रामलाल के दर्शन

■ 25 एसी बसों में निकला विशाल जत्था रामधाम अयोध्या , केंद्रीय मंत्री सहित सभी अतिथियों ने भगवा ध्वज दिखाकर किया रवाना

बिलासपुर। चैत्र नवरात्र की आस्था में डूबा बिलासपुर बुधवार दोपहर फिर एक बार 'जय श्रीराम' की गूंज से प्रफुल्लित हो उठा। शहर के सिविल लाइन पुलिस मैदान से इस वर्ष 25 बसों और 10 कारों में सवार 1008 श्रद्धालुओं का विशाल जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। दोपहर एक बजे अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाते ही पवनपुत्र हनुमान की प्रतिमा के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ और वातावरण भक्ति से सरोबार हो गया। सिविल लाइन पुलिस मैदान बुधवार सुबह से ही भगवा वेशभूषा, तिलक और जयकारों से गूंज रहा था। मंच पर मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व मंत्री एवं विधायक अमर अग्रवाल, विधायक धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, महापौर पूजा विधानी, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, कलेक्टर संजय अग्रवाल, आईजी राम गोपाल गर्ग, एसएसपी रजनेश सिंह, तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजकुमार सचदेव ने भक्तों को रवाना किया। दोपहर ठीक 12.50 बजे मंच से महाआरती की गई, जिसके साथ पूरा परिसर 'जय श्रीराम' के उद्घोष से सराबोर हो उठा। हर बस में इस बार भी एक टीम लीडर और पांच स्वयंसेवकों की टोली तैनात की गई है। एंबुलेंस, मेडिकल स्टाफ सुरक्षा दल और कंट्रोल टीम यात्रा के साथ रवाना हुई। यात्रा की शुरुआत इस वर्ष भी विशेष रही। सबसे पहले हनुमान जी की प्रतिमा को प्रथम सीट पर विराजित कर विधिवत पूजन किया गया। इसके बाद यात्रियों को पटका, आईडी कार्ड, प्रसाद, भोजन, जल और यात्रा सामग्री वितरित की गई। आकर्षक मंच, सुबह से जमघट और स्वागत गीतों ने माहौल को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। अतिथियों ने इसे बिलासपुर की सांस्कृतिक पहचान बताते हुए कहा कि हजारों लोग जिस अनुशासन और भक्ति से इस यात्रा में शामिल होते हैं, वह शहर की एक नई पहचान बन चुकी है। अतिथियों ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम की नगरी तक यह यात्रा श्रद्धा, अनुशासन और सेवा का अनुपम उदाहरण है। रामभक्त हनुमान प्रथम यात्री, सुरक्षा और श्रद्धा दोनों के प्रतीक- अयोध्या दर्शन यात्रा समिति के सदस्य रौशन सिंह ने कहा कि यात्रा का शुभारंभ हमेशा की तरह पवनपुत्र हनुमान की प्रतिमा को प्रथम सीट पर विराजित कर किया गया। समिति के सदस्यों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर उन्हें यात्रा का पथप्रदर्शक घोषित किया। मान्यता है कि हनुमान जी की उपस्थिति से पूरा जत्था सुरक्षित, अनुशासित और सफलतापूर्वक अयोध्या धाम पहुंचता है। यात्रियों ने भी हाथ जोड़कर प्रणाम किया और जयकारों के साथ उत्साहपूर्वक बसों में सवार हुए। 25 बसें और 10 कार,व्यवस्था का शानदार प्रबंधन – इस वर्ष यात्रा का स्वरूप और भी विशाल रहा। कुल 25 एसी बसें और 10 कारें यात्रियों तथा सेवादल के साथ रवाना हुईं। हर वाहन में सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सामग्री, पानी, पर्याप्त भोजन और आपात व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं। टीम लीडर, स्वयंसेवक और निगरानी दल लगातार संपर्क में रहेंगे। पूरी व्यवस्था को आधुनिक संचार तंत्र से जोड़ा गया है ताकि हर वाहन की लाइव लोकेशन और स्थिति पर नजर बनी रहे। भीड़, भक्ति और भव्यता,पुलिस मैदान में उत्सव जैसा माहौल – सुबह से ही पुलिस मैदान में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों में गजब का उत्साह देखा गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,मुख्यालय,बिलासपुर में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं बैठक संपन्न

बिलासपुर। क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की 76वीं बैठक श्री तरूण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की अध्यक्षता में आज दिनांक 25 मार्च 2026 को महाप्रबंधक सभाकक्ष में संपन्न हुई । इस अवसर पर रेलवे बोर्ड की व्यक्तिगत नगद पुरस्कार योजना तथा क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता-2025 के पुरस्कार विजेताओं को महाप्रबंधक, श्री तरूण प्रकाश के करकमलों से पुरस्कृत किया गया । तदुपरांत क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर के उपाध्यक्ष श्री शिवशंकर लकड़ा ने बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत की, जिस पर सदस्यों द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, श्री तरूण प्रकाश ने कहा कि हिंदी भाषा में सरकारी कामकाज करना उतना जटिल नहीं है, जितना कि उसे समझा जाता है । बैठक में सभी मदों पर विस्तापूर्वक चर्चा की गई तथा हिंदी में कामकाज संतोषजनक पाया गया। उन्होंने निर्देश दिये कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु सभी मदों में गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए । यह कार्यालय 'क' क्षेत्र में आता है और अधिकांश कार्मिक हिंदी भाषी हैं, इसलिए समस्त कामकाज हिंदी भाषा में ही किये जाएं । समिति के उपाध्यक्ष श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक - । ने कहा कि इस बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार इस रेलवे में दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई । संसदीय राजभाषा समिति द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय, रायपुर मंडल तथा रायपुर कारखाना में किये गये निरीक्षण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं । उन्होंने सभी सदस्यों से इन निर्देशों का अनुपालन करने का अनुरोध किया । क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की 76वीं बैठक का संचालन श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक - । किया ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में क्षय रोग (टीबी) जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर। भारत, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत केंद्रित उपायों के ज़रिए टीबी को खत्म करने के अपने लक्ष्य में लगातार तरक्की कर रहा है। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए) और निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) जैसी प्रमुख पहल, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दे रही हैं, पोषण संबंधी सहायता सुनिश्चित कर रही हैं और उपचार के पालन में सुधार कर रही हैं। निक्षय पोर्टल निगरानी और रोगी देखभाल को और मजबूत करता है। टीबी को खत्म करने का भारत का लक्ष्य दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य मिशनों में से एक है। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत, भारत ने उन्नत निदान, नवीन नीतियों और रोगी प्रथम दृष्टिकोण के साथ, टीबी के प्रति अपने उपायों को मजबूत किया है। प्रत्येक वर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूकता फैलाना, इसके प्रभाव को कम करना तथा इसके उन्मूलन के लिए वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासों को सुदृढ़ करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि टीबी आज भी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है, जो लाखों लोगों को प्रभावित करती है। इसी क्रम मे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के चिकित्सा विभाग द्वारा केन्द्रिय चिकित्सालय बिलासपुर, मण्डल चिकित्सालय रायपुर एवं उपमंडल चिकित्सालय, चरोदा भिलाई में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम के माध्यम से टीबी के प्रभाव, इसके कारणों, लक्षणों जैसे लगातार खांसी, बुखार, वजन घटना तथा उपलब्ध उपचारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और बताया गया कि समय पर पहचान और सही उपचार से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है।

एटीआर सुरही रेंजर,डिप्टी रेंजर 50 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़े गए,चालान जल्द पेश करने..

■ जप्त वाहन को वापस करने मांगी गई थी रिश्वत रकम : डीएसपी अजितेश सिंह एसीबी बिलासपुर

बिलासपुर डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि लोरमी जिला मुंगेली निवासी अजीत कुमार वैष्णव द्वारा एसीबी इकाई बिलासपुर में इस आशय की शिकायत की गई थी कि माह दिसंबर 2025 में वह अपने साथियों के साथ सुरही रेंज में चार पहिया वाहन लेकर घूमने गया था जहां पर उन लोगों द्वारा एयर गन लेकर एक रील बना लिया गया था जोकि बाद में वायरल हो गया था।रील वायरल होने पर उसके तथा उसके अन्य साथियों के विरुद्ध वन विभाग द्वारा कार्यवाही की गई थी तथा उसके वाहन को जप्त कर लिया गया था तथा वे लोग करीब 18 दिन जेल में भी थे।जेल से छूटने के बाद वह प्रकरण में जल्द चालान पेश करने के लिए सुरही रेंज के डिप्टी रेंजर श्री मनीष श्रीवास्तव से मिला तो श्री श्रीवास्तव द्वारा चालान पेश करने के लिए 4 से 5 लाख रुपए तक खर्चा आने और वाहन को छोड़ने के एवज में 70 हजार रुपए खर्चा आना बताकर रिश्वत की मांग की गई जोकि वह उक्त राशि रिश्वत के रूप में उन्हें नहीं देना चाहता बल्कि उनके विरुद्ध कार्यवाही चाहता है। शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाई गई जिस पर ट्रैप की योजना तैयार की गई । आज दिनांक 26.03.26 को प्रार्थी को संबंधित को रिश्वत राशि देने हेतु मित्र मिलन रेस्टोरेंट कोटा में भेजा गया जहां प्रार्थी द्वारा मनीष श्रीवास्तव को मांगी गई रिश्वत राशि में से प्रथम किश्त की राशि 50000 दिया गया जिस पर एसीबी टीम द्वारा मनीष श्रीवास्तव को त्वरित रूप से पकड़ लिया गया। कार्यवाही स्थल पर मनीष श्रीवास्तव के साथ रेंजर पल्लव नायक भी वहां उपस्थित थे जिनके द्वारा भी प्रार्थी से रिश्वत की मांग मौके पर करना पाया गया । प्रार्थी से ली गई राशि 50000 रुपए को आरोपी मनीष श्रीवास्तव से बरामद कर लिया गया है। एसीबी के द्वारा आरोपी मनीष श्रीवास्तव के विरुद्ध धारा 7 और आरोपी पल्लव नायक के विरुद्ध धारा 7,12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही की जा रही है।गौरतलब है कि एसीबी के द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों /कर्मचारियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी अनुक्रम में उक्त बड़ी कार्यवाही आज की गई ।

अनूपपुर स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया

■ सतर्कता, सजगता एवं कार्य कुशलता पर दिया गया विशेष बल

■ समर प्रिकॉशन एवं ट्रैक डी-स्ट्रेसिंग पर विशेष चर्चा एवं प्रशिक्षण

बिलासपुर। मंडल संरक्षा विभाग, बिलासपुर द्वारा रेल संरक्षा को सुदृढ़ बनाने, कर्मचारियों में सतर्कता, सजगता एवं कार्य कुशलता को बढ़ावा देने तथा ग्रीष्मकालीन चुनौतियों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से अनूपपुर स्टेशन पर एक संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन के निर्देशन तथा उनकी उपस्थिति में संपन्न हुई। संगोष्ठी में स्टेशन मास्टर, एसएसई, जेई, डीटीआई, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, प्वाइंट्समैन, गेटमैन, टेकनीशियन एवं गैंगमैन सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान संभावित दुर्घटनाओं के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक सावधानियों एवं उपायों पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रीष्मकालीन सावधानियों एवं ट्रैक डी-स्ट्रेसिंग की प्रक्रिया पर विशेष रूप से विस्तृत जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे उच्च तापमान के दौरान ट्रैक की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त स्पीड प्रतिबंध, वर्कसाइट प्रोटेक्शन, शॉटिंग के दौरान सुरक्षा उपाय, लोड स्थिरीकरण, इंटरलॉक एवं नॉन-इंटरलॉक प्वाइंट्स पर सावधानियां, ओएचई ब्लॉक के दौरान सुरक्षा, साइडिंग में लोडिंग-अनलोडिंग के समय अपनाई जाने वाली सावधानियां एवं आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त सिविल डिफेन्स के श्री घनश्याम सिंह राज द्वारा अग्निशमन प्राथमिक उपचार एवं जीवन रक्षक सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी सहायता सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन ने कर्मचारियों को संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल स्मृति अखिल भारतीय टी 20 डयूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया गया,दो मैच जीते

■ आईजी रामगोपाल गर्ग ने कहा –इंटरनेशनल मैच की तरह रघुराज स्टेडियम में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, महापौर पूजा विधानी तथा राजेश सूर्यवंशी ने भी दूधिया रोशनी में क्रिकेट खेल का आनंद लिया।

बिलासपुर। स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल स्मृति अखिल भारतीय ड्यूस बाल टी –20 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज राजा रघुराज स्टेडियम में दिल्ली और छत्तीसगढ़ की टीम के बीच रोमांचक मैच हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम ने दिल्ली को हराकर तीन विकेट से मैच जीत लिया है। दिल्ली की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 144 रन बनाए थे। लेकिन छत्तीसगढ़ की टीम 19 ओवर के एक गेंद पहले ही 145 रन के लक्ष्य को पूरा कर लिया मेन आफद मैच मैच का पुरस्कार छत्तीसगढ़ की टीम के वैभव साहू दिया गया। इन्होंने तीन विकेट चटकाए और शानदार बल्लेबाजी की। इसके पहले भी छत्तीसगढ़ की टीम ने जीत हासिल की है। बिलासपुर रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग महापौर पूजा विधानी जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने आज खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया । रघुराज स्टेडियम में आईजी रामगोपाल गर्ग ने खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल की स्मृति में यहां बहुत बड़ा आयोजन किया जा रहा है। यहां का मैच अद्भुत लग रहा है, इंटरनेशनल मैच की तरह। अनुशासित टीम यहां देखने को मिल रही है। अनुशासन टीम खेल भावना हम सबको एक साथ जोड़ती है । विधायक अमर अग्रवाल ने बहुत अच्छा प्रयास किया है। खेल भावना हमारे बीच के युवाओं में बनी रहे , ताकि अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लेकर जा सके। और ऐसे ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता बिलासपुर स्टेडियम में लगातार होते रहे। महापौर पूजा विधानी ने भी इस खेल आयोजन की तारीफकरते हुए कहा कि स्व लखीराम अग्रवाल की स्मृति में बहुत बड़ा खेल आयोजन हो रहा है बिलासपुर के खिलाड़ियों को इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने भी विधायक अमर अग्रवाल के इस पहल की सराहना की और स्व लखीराम अग्रवाल को याद किया। उन्होंने कहा कि विधायक अमर अग्रवाल के मार्गदर्शन में रघुराज स्टेडियम में हमेशा राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता होगी। नगर निगम के कमिश्नर प्रकाश सर्वे ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि बिलासपुर शहर के लिए बहुत अच्छा प्रयास है। आयोजन समिति के प्रमुख प्रवीण दुबे ने अतिथियों का सम्मान करते हुए कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल स्मृति में आयोजित टी-20 क्रिकेटप्रतियोगिता में आठ राज्यों की बड़ी टीम यहां प्रदर्शन कर रही है। यहां राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रघुराज स्टेडियम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर रहे हैं और बिलासपुर के युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट की तकनीक देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय खिलाड़ियों के अनुभव का लाभ बिलासपुर के खिलाड़ियों को मिलेगा। विधायक अमर अग्रवाल के प्रयास से बिलासपुर में राष्ट्रीय स्तर का बड़ा आयोजन हो रहा है। आईपीएल की तर्ज पर आयोजन आगे भी बड़े रूप में किया जाएगा। जिसमें विजेता टीम को टी –20 कप के साथ 5 लाख की नगद राशि तथा विजेता टीम को 3 लाख की नगद राशि प्रदान की जाएगी। भाजपा के पितृ पुरुष स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल की स्मृति में राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर के खेल प्रेमियों के लिए किया जा रहा है।

राम नवमी के जरूर करें इन 4 चौपाइयों का पाठ, सुख सौभाग्य में होगी वृद्धि

हिन्दू धर्म में राम नवमी का विशेष महत्व है। यह हर साल चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्री राम की विधि-विधान से पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पूजा करने से भक्त के जीवन में सुख-शांति बनी रहती है और जीवन की सभी परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही, इस दिन मां दुर्गा के नौवें रूप, सिद्धिदात्री की भी उपासना की जाती है। अब ऐसे में इस दिन कुछ ऐसी चौपाइयां हैं, जिनका पाठ करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए करें इस चौपाई का पाठ

जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं।
सुख संपति नानाविधि पावहिं।।
राम नवमी के दिन जो जातक इस चौपाई का पाठ करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है और जीवन में चल रही सभी परेशानियों से भी छुटकारा मिल सकता है।

संकट से मुक्ति के लिए करें इस चौपाई का पाठ

दीन दयाल बिरिदु संभारी।
हरहु नाथ मम संकट भारी।।
अगर आपको बार-बार अकारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो राम नवमी के दिन इस चौपाई का पाठ जरूर करें। इससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है और जीवन में सुख-शांति भी बनी रहती है।

कार्य में सफलता के लिए करें इस चौपाई का पाठ

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा।
हृदय राखि कोसलपुर राजा।।
अगर किसी जातक को मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिल रही है तो राम नवमी के दिन इस चौपाई का पाठ जरूर करें। इस चौपाई का पाठ करने से व्यक्ति को सभी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

सुखी वैवाहिक जीवन के लिए करें इस चौपाई का पाठ

श्री राम राम रमेत रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्रनाम तत्तुल्यं राम नाम वरानने।।
अगर आप वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनाए रखना चाहते हैं तो इस चौपाई का पाठ राम नवमी के दिन प्रभु श्रीराम की पूजा करने के बाद जरूर करें। इससे व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है और वैवाहिक जीवन में मधुरता भी बनी रहती है।

भगवान राम का जन्मोत्सव शुभ संयोग और धार्मिक महत्व

भगवान विष्णु के सातवें अवतार प्रभु श्रीराम का जन्म चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ था। यही वजह है कि हिंदू पंचांग के मुताबिक, हर साल चैत्र नवरात्रि की नवमी तिथि पर भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया जाता है, इसे रामनवमी के रूप में भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में रामनवमी का पर्व अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। इस दिन भक्त और श्रद्धालु भगवान राम की पूजा-अर्चना करते हैं और उनके लिए व्रत भी करते हैं।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि, जिसे हम रामनवमी के रूप में मनाते हैं, न केवल अयोध्या बल्कि संपूर्ण विश्व के सनातनी समाज के लिए आस्था का चरम बिंदु है. इस वर्ष अयोध्या में रामनवमी की सही तिथि को लेकर श्रद्धालुओं के बीच व्याप्त भ्रम की स्थिति अब पूरी तरह स्पष्ट हो गई है. ज्योतिष गणनाओं और धर्मशास्त्रों के अनुसार, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव इस बार 27 मार्च को पूरी भव्यता के साथ मनाया जाएगा.

हिंदू पंचांग की गणना यह स्पष्ट करती है कि नवमी तिथि 27 मार्च को दोपहर तक प्रभावी रहेगी. शास्त्रों में 'उदया तिथि' और मध्याह्न काल (दोपहर का समय) की व्याप्ति को विशेष महत्व दिया गया है. चूँकि भगवान श्री राम का जन्म दोपहर 12:00 बजे हुआ था और उस समय नवमी तिथि विद्यमान रहेगी, इसलिए धार्मिक और शास्त्रीय दृष्टि से 27 मार्च ही सबसे उपयुक्त और शास्त्रसम्मत तिथि है.

पुनर्वसु नक्षत्र का दुर्लभ और शुभ संयोग

इस वर्ष की रामनवमी केवल तिथि के कारण ही नहीं, बल्कि नक्षत्रों के विशेष मेल के कारण भी अत्यंत फलदायी होने वाली है. पंडित प्रवीण शर्मा ने बताया कि इस बार पुनर्वसु नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है. गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में भी वर्णन किया है कि प्रभु का अवतार इसी नक्षत्र में हुआ था. ज्योतिषीय दृष्टिकोण से पुनर्वसु नक्षत्र में की गई पूजा, दान और अनुष्ठान अक्षय पुण्य प्रदान करते हैं. यह संयोग श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने का एक स्वर्णिम अवसर है.

रामनवमी पर सुख, शांति और समृद्धि के लिए क्या करें?

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, इस राम
अनुकूलता बन रही है और ऐसे शुभ
श्रीराम की कृपा प्राप्त करने के लिए

रामनवमी के दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। उनके जन्मोत्सव पर उन्हें सरल उपायों से प्रसन्न करके उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते है जिससे हर क्षेत्र में विजय और उन्नति मिलेगी।

राम नाम का जाप और हनुमान जी की आराधना

रामनवमी के दिन श्री राम जय राम जय जय राम का जाप करने से मन और घर में शांति आ सकती है। इसके अलावा हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करने से भी बुरी शक्तियों और नकारात्मकता का प्रभाव कम हो सकता है।

दान पुण्य करें

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रामनवमी पर जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और धन का दान करने से पुण्य की प्राप्ति हो सकती है और ग्रह दोष भी शांत हो सकता है।

श्री राम दरबार की स्थापना

राम नवमी के दिन घर के मंदिर में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी मूर्तियां विधि-विधान से स्थापित करनी चाहिए। साथ ही उनकी विधि-विधान से पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

तुलसी के पौधे की पूजा

राम नवमी पर तुलसी की पूजा करने से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है। जिससे धन, ज्ञान और वैवाहिक जीवन में सुख की प्राप्ति होती है।

राम रक्षा स्तोत्र का पाठ

राम नवमी पर पीले वस्त्र धारण करें और फिर राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करें। ऐसी मान्यता है कि राम रक्षा
वन में आ रही बाधाएं दूर
लता मिल सकती है। इसे
शुभ फल मिल सकते हैं।

र न मिलेंगे वि शुभ आशीष

- राम रक्षा मंत्र 'ऊँ श्री हरी
रें। फिर पूरे घर के कोने-
र का वास्तुदोष तथा भूत-
हैं। यह उपाय आप अपने
कते हैं।
- या उनके चित्र के सामने 3
भजु मन,का पाठ करें,
इससे जीवन की हर चीजें अनुकूल होने लगती है।
- रामनवमी पर भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।
- नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कढ़ी, पूरणपोल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है। माता दुर्गा और श्रीराम को भोग लगाने के बाद ही भोजन किया जाता है। इससे प्रभु श्रीराम प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
- भगवान श्रीरामजी को केसर भात, खीर, कलाकंद, बर्फी, गुलाब जामुन का भोग प्रिय है। इसके अलावा हलुआ, पूरनपोळी, लड्डू और सिवइयां भी उनको पसंद हैं।
- पंचामृत और धनिया पंजीरी दो तरह के प्रसाद उन्हें अर्पित किए जाते हैं। यह रामजी को बहुत ही पसंद है। उन्हें धनिए का प्रसाद चढ़ाते हैं। इसे धनिया पंजीरी कहते हैं। इसे सौंठ पंजीरी भी कहते हैं।

चैत्र नवरात्रि पर हवन कब करें? जानें सही विधि और शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के दौरान हवन करने का विशेष महत्व है। यह न केवल देवी को प्रसन्न करता है बल्कि घर की नकारात्मकता को भी दूर करता है। अगर आप भी इस नवरात्रि में हवन करने की योजना बना रहे हैं, तो सही हवन सामग्री, शुभ मुहूर्त और हवन मंत्रों की जानकारी होना जरूरी है।

चैत्र नवरात्रि के दौरान हवन कब और किस मुहूर्त में करें?

चैत्र नवरात्रि में हवन का विशेष महत्व है, और इसे करने के लिए अष्टमी और नवमी तिथियां सबसे शुभ मानी जाती हैं। अष्टमी पर हवन करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और देवी मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अष्टमी पर हवन का शुभ मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त में होता है। वहीं नवमी तिथि को भी हवन के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

चैत्र नवरात्रि के दौरान हवन करने की विधि

- सबसे पहले एक साफ स्थान पर हवन कुंड स्थापित करें।
- हवन कुंड पर स्वास्तिक बनाकर कलावा बांधें।
- आम की लकड़ियों और कपूर को प्रज्वलित करें।
- घी, हवन सामग्री जैसे जौ, चावल, तिल आदि से मंत्रों के साथ आहुति दें।
- पूर्ण आहुति में नारियल में घी, पान, सुपारी, लौंग, जायफल व प्रसाद भरकर हवन कुंड में समर्पित करें।
- हवन के बाद भगवान गणेश और मां दुर्गा की आरती करें।

चैत्र नवरात्रि में हवन करने के दौरान करें इन मंत्रों का जाप

चैत्र नवरात्रि पर हवन करने के दौरान इन मंत्रों का जाप विशेष रूप से करें।

ॐ स्वस्ति न इन्द्रश्चाग्निश्च स्वस्ति नः पथ्यावतीः।
स्वस्ति नो दृष्पर्वा विश्वेदेवा स्वस्तये।।
ॐ ऐं ह्रीं क्लीं वामुण्डायै विच्चे। ॐ दुं दुर्गायै नमः।

चैत्र नवरात्रि के दौरान हवन करने का महत्व क्या है?

चैत्र नवरात्रि में हवन का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि हवन करने से देवी दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हवन से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हवन करने से ग्रहों के दोष शांत होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। ऐसा माना जाता है कि हवन के बिना नवरात्रि की पूजा अधूरी है।

भगवान राम के नाम पर क्यों पड़ा रामनवमी नाम

राम नवमी का दिन बेहद खास और शुभ माना जाता है। इसी दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को प्रभु श्रीराम कजे जन्मोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। आज पूरे देश भर में राम नवमी मनाई जा रही है। श्रद्धालुओं के मन में रामनवमी को लेकर उत्सुकता अधिक बढ़ गई है। अयोध्या के राम मंदिर में इस साल राम नवमी के अवसर पर भगवान राम लला का सूर्य तिलक भी किया गया। बता दें, त्रेतायुग में चैत्र शुक्ल नवमी तिथि को भगवान श्रीराम का जन्म हुई था। अब ऐसे में नवमी तिथि भगवान राम के नाम पर क्यों पड़ा और क्या है महत्व।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल चैत्र माह की नवमी तिथि को राम नवमी का पर्व मनाया जाता है और इसी कारण भगवान राम के नाम पर राम नवमी का नाम भी पड़ा। राम नवमी का त्योहार सत्य और धार्मिकता का प्रतीक माना जाता है।

राम नवमी का क्या है इतिहास?

पंचांग के अनुसार चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु ने अपना सातवां अवतार श्रीराम के रूप में लिया था। वह राजा दशरथ और रानी कौशल्या के पुत्र बनकर धरती लोक पर आए। जगत के कल्याण के लिए और रावण का वध करने के लिए भगवान ने राम का अवतार लिया। राम नवमी पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत को दर्शाता है।

राम नवमी का क्या है महत्व?

शास्त्रों के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि जो भक्त इस दिन पूरी श्रद्धा के साथ और विधि-विधान के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की पूजा करते हैं। उनके जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। राम नवमी के दिन मां दुर्गा और श्रीराम की विधिवत पूजा का विधान है। व्यक्ति को मनवांछित फलों की भी प्राप्ति होती है। साथ ही सभी समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है।

श्रीराम के पास थे 16 गुण और 12 कलाएं

प्रभु श्रीराम को पुरुषों में सबसे उत्तम मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। वे एक आदर्श व्यक्तित्व लिए हुए थे। एक धनुष और एक वचन धारण करने वाले थे। उन्होंने एक पत्नी व्रत भी धारण कर रखा था। उनमें इसी तरह के 16 गुण थे। 16 गुणों के अलावा वे 12 कलाओं से युक्त थे। 16 कलाओं से युक्त व्यक्ति ईश्वरतुल्य होता है या कहें कि स्वयं ईश्वर ही होता है। पत्थर और पेड़ 1 से 2 कला के प्राणी हैं। पशु और पक्षी में 2 से 4 कलाएं होती हैं। साधारण मानव में 5 कला और संस्कृति युक्त समाज वाले मानव में 6 कला होती है। इसी प्रकार विशिष्ट पुरुष में 7 और ऋषियों या महापुरुषों में 8 कला होती है। 9 कलाओं से युक्त सप्तर्षिगण, मनु, देवता, प्रजापति, लोकपाल आदि होते हैं। इसके बाद 10 और 10 से अधिक कलाओं की अभिव्यक्ति केवल भगवान के अवतारों में ही अभिव्यक्त होती है। जैसे वराह, नृसिंह, कूर्म, मत्स्य और वामन अवतार। उनको आवेशावतार भी कहते हैं। उनमें प्रायः 10 से 11 कलाओं का आविर्भाव होता है। परशुराम को भी भगवान का आवेशावतार कहा गया है। भगवान राम 12 कलाओं से तो भगवान श्रीकृष्ण सभी 16 कलाओं से युक्त हैं। यह चेतना का सर्वोच्च स्तर होता है। इसीलिए प्रभु श्रीराम को पुरुषों में उत्तम और भगवान और श्रीकृष्ण को जग के नाथ जगन्नाथ और जग के गुरु जगद्गुरु कहते हैं। जग में सुंदर है दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम।

16 गुणों से युक्त

- गुणवान (योग्य और कुशल)
- किसी की निंदा न करने वाला (प्रशंसक, सकारात्मक)
- धर्मज्ञ (धर्म का ज्ञान रखने वाला)
- कृतज्ञ (आभारी या आभार जताने वाला विनम्रता)
- सत्य (सत्य बोलने वाला और सच्चा)
- दृढ़प्रतिज्ञ (प्रतिज्ञा पर अटल रहने वाला, दृढ़ निश्चयी)
- सदाचारी (धर्मात्मा, पुण्यात्मा और अच्छे आचरण वाला, आदर्श चरित्र)
- सभी प्राणियों का रक्षक (सहयोगी)
- विद्वान (बुद्धिमान और विवेक शील)
- समर्थशाली (सभी का विश्वास और समर्थन पाने वाला समर्थवान)
- प्रियदर्शन (सुंदर मुख वाला)
- मन पर अधिकार रखने वाला (जितेंद्रीय)
- क्रोध जीतने वाला (शांत और सहज)
- कांतिमान (चमकदार शरीर वाला और अच्छा व्यक्तित्व)
- वीर्यवान (स्वस्थ्य, संयमी और हृष्ट-पुष्ट)
- युद्ध में जिसके क्रोधित होने पर देवता भी डरें - (वीर, साहसी, धनुर्धारि, असत्य का विरोधी)

20 मार्च की तारीख को 25 मार्च किया गया फिर भी नहीं पहुंचे अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य से भी हुई झूमाझट की, माहौल गरमाया

सोमनी पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग नहीं, मचा बवाल, हाथापाई तक की आई नौबत

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत सोमनी में जमकर बवाल मचा। सरपंच निलिमा साहू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद दो बार तारीख दी गई, लेकिन दोनों ही बार पंचों से वोटिंग नहीं कराई गई। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण ऐसा हुआ। 25 मार्च को जब अधिकृत अधिकारी पंचायत नहीं पहुंचे तो पंचों ने जमकर हंगामा मचाया। वहीं सरपंच के समर्थकों के साथ झूमाझटकी भी हुई। मौके पर पुलिस बल भी पहुंचा और मामले को शांत कराया गया। पंचों ने इस हंगामे को लेकर सरपंच पर पति पर आरोप लगाया कि युवकों को साथ में लेकर ही उसने गांव का माहौल बिगाड़ने का काम किया है। इस दौरान मौके पर मौजूद जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख भी मौजूद थे, उनके साथ भी सरपंच समर्थकों ने झूमाझटकी की, इसके बाद माहौल और गरमा गया। उपसरपंच विजय सिंह राजपूत व नंदा वर्मा ने कहा कि 11 मार्च को सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। उसके बाद 12 मार्च को हस्ताक्षरों को वेरिफिकेशन किया गया।

फिर 20 मार्च को सम्मेलन बुलाकर मतदान होना था। तय दिन पर सभी पंच पहुंचे, लेकिन सक्षम अधिकारी ग्राम पंचायत नहीं आए। इसके बाद पता चला कि तारीख बढ़ाकर 25 मार्च कर दी गई, जबकि इसकी सूचना पंचों को नहीं दी गई। इसके बाद 25 को सभी पंचायत भवन पहुंचे, लेकिन अधिकारी नहीं आए। इसके बाद पंचों ने विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरपंच पति के द्वारा गांव का माहौल बिगाड़ा गया और वहां हंगामा किया गया। पंचों ने कहा कि वे लगातार आवाज उठाते रहेंगे और सरपंच निलिमा साहू को हटाकर ही रहेंगे।

सभी भाजपा समर्थित लेकिन कार्यशैली का विरोध

जैसा की सामने आया, सरपंच और पंच भाजपा समर्थित ही है। उसके बाद भी सरपंच का विरोध किया जा रहा है। इस पर पंचों का कहना है कि 15वें वित्त की राशि खर्च नहीं की जा रही है। पंचायत के काम नहीं किए जा रहे हैं। विकास काम नहीं होने दिया जा रहा है। इसलिए वे अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। सरपंच निलिमा साहू ने कहा कि सात्तगर के मीतर उन्होंने विकास के सभी प्रस्ताव पास कर काम कराए हैं, लेकिन कई पंच काम को नहीं होने देते। इसी कारण यह सब समस्या आ रही है।

हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगाई

सोमनी सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इस मामले को हाईकोर्ट में भी लगाया गया था। 25 मार्च को सुनवाई हुई, जिसके बाद वोटिंग पर रोक लगाई है। इसकी सूचना मिलने के बाद मतदान नहीं कराया गया है।

-गौतम पाटिल, एसडीएम

पाहंदा ग्राम पंचायत में अनियमितताओं की जांच जारी,2025/26 का है मामला

अम्लेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पाहंदा (अ) में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच समिति द्वारा जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत में पदस्थ सचिव के समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने की शिकायतें सामने आई हैं, जिसके चलते सरपंच, उपसरपंच ने सचिव को हटाने की मांग जिला एवं जनपद सीईओ से की है। बताया जा रहा है कि लगभग एक माह पूर्व एक व्यक्ति द्वारा सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगी गई थी, जिसके लिए 3000 की राशि भी जमा की गई थी। वर्तमान में जनपद पंचायत पाटन के जांच अधिकारी द्वारा 2025/26 मामले का निरीक्षण किया जा रहा है।

पूर्व में पदस्थ सचिव कार्यकाल का मामला सामने आ रहा है। उपस्थित जन समुदाय ने कहा है कि 22 लाख रुपया पिछला कार्य काल का बचा हुआ था। जिसका दुरुपयोग किया गया है।

भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत जिले के 32,295 हितग्राहियों के खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर

50 हितग्राहियों को योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित

दुर्ग। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत जिले के 32 हजार 295 हितग्राहियों के खाते में 10 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष मती कुलेश्वरी देवांगन ने 50 हितग्राहियों को योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा बलौदाबाजार जिले से बटन दबाकर पात्र हितग्राहियों के खातों में राशि हस्तांतरित की गई, जिसका सीधा प्रसारण सभाकक्ष में किया गया। योजना के अंतर्गत भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। बजट 2026-27 में इस योजना के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मती कुलेश्वरी देवांगन ने कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह उन परिवारों के लिए नई उम्मीद लेकर आई है, जिनके पास अपनी जमीन नहीं है, लेकिन वे अपनी मेहनत से देश की नींव को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आर्थिक सहायता देती है, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान करती है। उन्होंने हितग्राहियों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।

मृतकों के परिजनों को मिली 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विभिन्न दुर्घटनाओं में असमय मृत्यु का शिकार हुए व्यक्तियों के परिजनों के लिए कुल 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है । प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुभाग दुर्ग के अंतर्गत ग्राम मतवारी निवासी पप्पू लाल चौधरी की 07 फरवरी 2025 को शिवनाथ नदी के महमरा एनीकेट में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो गई थी । इसी प्रकार, भिलाई-03 अनुभाग के ग्राम लिमतरा निवासी जगतराम यादव की 27 सितम्बर 2021 को गांव के डबरी तालाब में डूबने से मृत्यु हुई। अन्य प्रकरणों में, ग्राम सिकोला निवासी गुरु प्रकाश साहू की 27 मार्च 2024 को सिकोला तालाब में डूबने से और सुपेला भिलाई निवासी लोहित राव की 01 नवम्बर 2018 को रायपुर के महादेव घाट स्थित खारून नदी में नहाते समय डूबने से मृत्यु हो गई थी।

दशहरा मैदान व शासकीय विद्यालय के सामने अवैध ठेले-खोमचे और नशीली गतिविधियों को लेकर शिकायत

भारत माता परियोजना के तहत हनोदा-बोरसी मुख्य मार्ग में बोगदा पुल की ऊंचाई बढ़ाने की मांग, 115 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एडीएम विरेन्द्र सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 128 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत कानाकोट सरपंच व ग्रामवासियों ने पानी टंकी पानी प्रदान करने आवेदन दिया। ग्रामवासियों ने बताया कि गांव में पानी टंकी का निर्माण किया गया है और हर घर तक पानी पहुंचाने की योजना है, लेकिन वर्तमान में केवल कुछ ही घरों को इसका लाभ मिल पा रहा है। कई स्थानों पर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी सप्लाई बाधित है। गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की समस्या और गंभीर हो गई है। इस पर एडीएम विरेन्द्र सिंह ने पीएचई को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। वार्ड-14 पार्षद द्वारा शांति नगर क्षेत्र के दशहरा मैदान व शासकीय विद्यालय के सामने अवैध ठेले-खोमचे और नशीली गतिविधियों को लेकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि इन ठेलों के माध्यम से नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है, जिससे शासकीय विद्यालय में अध्ययनरत स्कूली बच्चों और क्षेत्रवासियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत गंभीर है। इस पर एडीएम ने नगर निगम भिलाई को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम पंचायत हनोदा सरपंच ने भारत माता परियोजना के तहत हनोदा-बोरसी मुख्य मार्ग में बोगदा पुल की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की। ग्राम हनोदा में भारत माला परियोजना के तहत हनोदा-बोरसी मुख्य मार्ग में बन रहे गोबदा पुल की वर्तमान ऊँचाई 4 मीटर है। इससे फसल कटाई, हार्वेस्टर और सरकारी चावल की गाड़ियों के आवागमन में दिक्कत होगी। उन्होंने पुल की ऊँचाई 6 मीटर करने की मांग की। इस पर एडीएम ने एसडीएम दुर्ग व एनएच को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

युवा सरपंच रमाकांत साहू का अनोखी पहल : मां वृंदा देवी मंदिर में 'बर्तन बैंक' से स्वच्छता की मिसाल

पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के खारून नदी के तट पर स्थित मां वृंदा देवी डिंडकपाट आगेसरा में ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रमाकांत साहू ने जनसहयोग से एक अनोखी पहल करते हुए स्वच्छता की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मीडिया को जानकारी देते हुए सरपंच रमाकांत साहू ने बताया कि सामान्य चर्चा के दौरान उन्होंने अपने सरपंच साथियों के समक्ष मां वृंदा देवी मंदिर में 'बर्तन बैंक' बनाने का प्रस्ताव रखा। इस पहल को तुरंत समर्थन मिला और रेवा राम साहू (सरपंच गातापार), जीवधन ठाकुर (सरपंच भनसूली) तथा अमित अग्रवाल (सरपंच बेलहारी) ने प्रारंभिक सहयोग प्रदान कर बर्तन बैंक को मजबूत बनाया। आज स्थिति यह है कि मंदिर में भोजन व्यवस्था के लिए बर्तनों की कोई कमी नहीं है। हजारों श्रद्धालु एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण कर सकते हैं और कहीं भी दोना-पत्तल का उपयोग नहीं हो रहा है। जिससे स्वच्छता को बढ़ावा मिल रहा है। वर्तमान में नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन निरंतर जारी है।

गर्मी के मद्देनजर खाद्य विभाग अलर्ट, जिले की पानी और जूस फैक्ट्रियों का हुआ औचक निरीक्षण

पानी फैक्ट्रियों में मिली गंदगी, कर्मचारियों के लिए हेड कैप और ग्लव्स अनिवार्य

दुर्ग। भीषण गर्मी के आगमन को देखते हुए जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले की पानी फैक्ट्रियों में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार खाद्य नियंत्रक एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया। इस कार्यवाही के दौरान विगत 19 मार्च को आर.एस. इंटरप्राइसेस जामुल और पाल एक्वा छावनी भिलाई से पानी की बोतलों के नमूने लिए गए। वहीं, 20 मार्च को कुम्हारी स्थित आई.बी. सॉल्यूशन में नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर 180 बोरी पानी पाऊच जप्त किए गए। इसके अतिरिक्त, 23 मार्च को अमर बेवरेजेस कैलाश नगर भिलाई से पानी की बोतल और ज्योति इंडस्ट्रीज जेवरा सिरसा से लीची जूस के नमूने संकलित कर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी मती रिचा शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारद राम कोमरे ने फर्मों के संचालकों को कर्मचारियों के मेडिकल प्रमाणपत्र और पानी की शुद्धता की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही, स्वच्छता बनाए रखने और कार्य के दौरान कर्मचारियों को हैंड ग्लव्स व हेड कैप अनिवार्य रूप से पहनने की हिदायत दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 (विनियम 2011) के तहत कड़ी कार्यवाही की जाएगी। गर्मी के सीजन को देखते हुए नमूनों के संकलन और निरीक्षण का यह कार्य आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा।

नगर निगम दुर्ग की पहल : 31 मार्च तक चलेगा स्वच्छता दीदियों मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण अभियान

ब्लड, शुगर, थायरॉइड सहित कई जांचें होंगी नि:शुल्क

दुर्ग। उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा 14 मार्च 2026 से प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में स्वच्छता दीदियों एवं अमृत मित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जाने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 31 मार्च 2026 तक विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। नगर निगम द्वारा इन शिविरों का आयोजन स्वच्छता दीदियों के कार्यस्थल के समीप ही किया जाएगा, ताकि उन्हें सुविधाजनक तरीके से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परामर्श, उपचार एवं नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया जाएगा। साथ ही आवश्यकतानुसार विभिन्न जांचें भी की जाएंगी, जिनमें प्रमुख रूप से ब्लड टेस्ट, थायरॉइड टेस्ट, बीपी, शुगर टेस्ट, यूरिन टेस्ट, यूरिक एसिड, एलडीएच, कोलेस्ट्रॉल सहित अन्य जांचें शामिल हैं। नगर निगम क्षेत्र में कार्यरत समस्त महिला कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही प्रतिदिन की रिपोर्ट राज्य शहरी विकास अभिकरण को भेजी जाएगी।

जिला अस्पताल में 900 ग्राम के समयपूर्व नवजात को मिली नई जिंदगी, नवजात शिशु देखभाल इकाई टीम की बड़ी सफलता

दुर्ग। जिला अस्पताल दुर्ग में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने नवजात शिशु को नया जीवन प्रदान करने में एक बार फिर से बड़ी सफलता प्राप्त की। अंजोरा निवासी मती ममता जांगड़े पति शेखर के यहां 4 फरवरी 2026 को एक समयपूर्व नवजात शिशु का जन्म हुआ, जिसका वजन जन्म के समय मात्र 900 ग्राम था। शिशु की हालत बेहद गंभीर थी और उसे सांस लेने में गंभीर परेशानी हो रही थी। चिकित्सकीय जांच में नवजात को रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम से पीड़ित पाया गया। स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में भर्ती कर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। नवजात शिशु देखभाल इकाई इंचार्ज पीडियाट्रिशियन डॉ. वाई. किरण कुमार के नेतृत्व में शिशु के फेफड़ों में सर्फैक्टेंट थेरेपी दी गई, जिसमें डीएनबी रेजिडेंट डॉ. हेमंत सिंह ने सहयोग किया। जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी अनुसार उपचार के दौरान शिशु को आवश्यकतानुसार पीआरबीसीएस (रक्त) चढ़ाया गया, आईव्ही एंटीबायोटिक्स सहित अन्य जरूरी दवाएं दी गईं। साथ ही नियमित आरओपी स्क्रीनिंग, पोषण प्रबंधन और निरंतर मॉनिटरिंग की गई। लगभग 50 दिनों तक चले गहन उपचार के बाद शिशु की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। वर्तमान में शिशु पूरी तरह स्वस्थ है और उसका वजन बढ़कर 1.8 किलोग्राम हो गया है। चिकित्सकों ने संतोष व्यक्त करते हुए शिशु को अस्पताल से छुट्टी दे दी है। इस सफलता में शिशु रोग विभाग के प्रमुख डॉ. आर. के. मल्होत्रा, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमंत कुमार साहू, डॉ. वाई. किरण कुमार, नवजात शिशु देखभाल इकाई मेडिकल ऑफिसर डॉ. आशीष साहू, डॉ. पूजा, डॉ. आलोक सहित नर्सिंग स्टाफ और सहयोगी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. आशीषन मिन्ज ने इस उपलब्धि पर पूरी नवजात शिशु देखभाल इकाई टीम को बधाई दी।

सामुदायिक शौचालयों का संधारण कार्य जारी, नागरिकों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

40 शौचालयों की जिम्मेदारी स्व-सहायता समूहों को, रख-रखाव में तेजी

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र में नागरिकों को स्वच्छ और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामुदायिक शौचालयों का संधारण कार्य तेजी से जारी है। निगम द्वारा कुल 40 सामुदायिक शौचालयों को छत्तीसगढ़ शासन की स्वच्छता श्रृंगार योजना के तहत विधिवत प्रक्रिया पूरी कर स्व-सहायता समूहों को संचालन एवं रख-रखाव के लिए सौंपा गया है। निगम प्रशासन द्वारा पुराने और जर्जर शौचालयों की स्थिति को सुधारने के लिए व्यापक स्तर पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। कई शौचालयों में दरवाजों का परिवर्तन, टूटी सीटों की मरम्मत तथा पुराने सीवरेज टैंकों का पुनः संधारण किया जा रहा है। वहीं, जिन शौचालयों की हालत अत्यधिक खराब है और जहां जनहानि की आशंका है, वहां सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिस्मेंटलिंग की प्रक्रिया भी अपनाई जा रही है। वर्तमान में कई स्थानों पर पुराने दरवाजे हटाकर नए दरवाजे लगाए जा रहे हैं। जल आपूर्ति की समस्या को गंभीरता से लेते हुए निगम ने सहायक अभियंता (नल-जल) को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत बोर की सफाई एवं खराब पंपों को बदलने का कार्य किया जा रहा है, ताकि शौचालयों में पानी की उपलब्धता सुचारु बनी रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। विभिन्न वार्डों में संधारण कार्य तेजी से प्रगति पर है। वार्ड क्रमांक 53 एवं 54 में नए सेप्टिक टैंक, दरवाजे, लाइट और अन्य आवश्यक फिटिंग कार्य किए जा रहे हैं। इसके अलावा वार्ड 34, 19 एवं 22 में भी संधारण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसे शीघ्र पूर्ण कर आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

निगम द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी शौचालयों की नियमित साफ-सफाई स्व-सहायता समूहों के माध्यम से लगातार की जाए, जिससे शहर में स्वच्छता का स्तर और बेहतर हो सके।

मनरेगा के तहत अनारकली को मिला पक्का पशु शेड, दूध व्यवसाय से हो रही अच्छी आमदनी

दुर्ग। ग्राम पंचायत महमरा की रहने वाली मती अनारकली यादव एक साधारण ग्रामीण महिला हैं, पति रामेश्वर यादव के साथ वे वर्षों से पशुपालन और कृषि कार्य के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। मती अनारकली के पास पहले से कुछ गौधन था, जो उनके जीवनयापन का मुख्य आधार था। लेकिन पशुओं के लिए उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पशुओं को कच्चे शेड में रखा जाता था, जहां न तो साफ-सफाई संभव थी और न ही मौसम से सुरक्षा। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। पशुओं को कभी खुले में रखना पड़ता, तो कभी कीचड़ और गंदगी में। इससे पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ता और दूध उत्पादन भी प्रभावित होता था। अनारकली लंबे समय से एक पक्के पशु शेड का सपना देख रही थीं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। आखिरकार उन्होंने हिम्मत जुटाई और अपनी समस्या ग्राम सभा में रखी। उनकी बात को गंभीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत उनके लिए पशु शेड निर्माण को स्वीकृति दी। करीब 0.95 लाख रुपये की लागत से पक्का पशु शेड बनाया गया। निर्माण के दौरान ग्राम पंचायत का पूरा सहयोग मिला और इस प्रक्रिया में अनारकली को मजदूरी भी प्राप्त हुई, जिससे उनकी आय में तुरंत सहारा मिला। शेड बनने के बाद जैसे उनकी जिंदगी बदल गई। अब उनके पशुओं को सुरक्षित, साफ और व्यवस्थित आश्रय मिलने लगा। इसका सीधा असर पशुओं के स्वास्थ्य और दूध उत्पादन पर पड़ा। पहले जहां उनके पास लगभग 11 पशु थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 35 के करीब पहुंच गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com